कृषक महिला समाचार
ICAR - CIWA
NEWSLETTER

October 2020-March 2021 Vol. 14 (2) अक्टबर 2020 - माच 2021 खण्ड. 14 (2)

From Director's Desk...

ICAR-CIWA could achieve significant progress in research, development and extension activities, even though hindered by the onslaught of the second wave of the pandemic COVID 19. A three-tier approach for 'Gender Sensitive Agri-Horti Cropping System Model' was developed for livelihood upliftment, nutritional enhancement, and entrepreneurship development among rural women. A low cost gender friendly integrated vertical nutri-farming system (IVNFS) was designed for nutritional security of landless rural women. Inorder to add value to gender knowledge system, conceptual frameworks on format for gender factsheet of institutions and on format for profile of progressive women farmers of the country have been developed. Research Advisory Committee meeting and Insitute Research Council meeting was organised during the period. Important days viz., 150th birthday of Mahatma Gandhiji, Rashtriya Mahila Kisan Divas, World Food Day, Vigilance Awareness week, National Science Day, International Women's Day etc were celebrated by the Institute. HRD Webinar on ''Effective Health Management for Enhancing Work Efficiency of Employees'' was organized during the period which signified the need of the hour in the pandemic scenario. Internship of students under MoU's with Private and State Agricultural universities were also completed during the period. A series of National Webinars were organized during the period taking advantage of the new normal situation created due to the pandemic. A training programme was organized in virtual mode by ICAR-CIWA in collaboration with MANAGE, Hyderabad to sensitize the scientific and extension personnel working in the field of agricultural research and development. Under SCSP and MGMG programmes several capacity building programmes and critical input distribution were done for the benefit of rural women farmers.

(ANIL KUMAR)
DIRECTOR

निदशक की कलम स.....

भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए ने वैश्विक महामारी कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण आई रुकावटों के बावजूद अनुसंधान, विकास और विस्तार संबंधी गतिविधियों में उल्लेखनीय प्रगति की है। ग्रामीण महिलाओं के बीच आजीविका उत्थान, पोषणिकता में वृद्धि और उद्यमशीलता के विकास के लिए 'लिंग संवेदी कृषि-बागवानी फसल प्रणाली मॉडल 'के लिए एक तीन स्तरीय दृष्टिकोण विकसित किया गया। इसके साथ ही भूमिहीन ग्रामीण महिलाओं की पोषणिक सुरक्षा के लिए एक कम लागत वाली लिंग की दृष्टि से अनुकूल समेकित लम्बवत पोषणिक-फार्मिंग प्रणाली (आईवीएनएफएस) विकसित की गई। संस्थानों की लिंग फैक्टशीट के लिए लिंग संबंधी ज्ञान प्रणाली के संकल्पनात्मक फ्रेमवर्क तथा देश की प्रगतिशील ग्रामीण महिलाओं के प्रोफाइल के लिए भी एक फार्मेट विकसित किया गया। इस अवधि के दौरान संस्थान सलाहकार समिति तथा संस्थान अनुसंधान परिषद की बैठकें आयोजित हुईं। महत्वपूर्ण दिवसों जैसे महात्मा गांधी की 150वीं जयंती, राष्ट्रीय महिला किसान दिवस, विश्व खाद्य दिवस, सतर्कता जागरुकता सप्ताह, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आदि भी संस्थान में मनाए गए। इसी अवधि में 'कर्मचारियों की कार्यदक्षता को बढ़ाने के लिए प्रभावी स्वास्थ्य प्रबंधन' पर एक मानव संसाधन विकास (एचआरडी) वेबिनार का आयोजन हुआ, जिससे वैश्विक महामारी के परिदृश्य में इस विषय का क्या महत्व है, यह रेखांकित किया गया। निजी तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अंतर्गत छात्रों की इंटर्नशिप भी इस अवधि में पूरी हुई। वैश्विक महामारी के कारण सृजित नई सामान्य स्थिति का लाभ उठाते हुए इस अवधि में राष्ट्रीय वेबिनार की श्रृंखला आयोजित की गई। साथ-साथ कृषि अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिक और विस्तार कार्मिकों को प्रेरित करने के लिए 'मैनेज' हैदराबाद के सहयोग से भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए द्वारा वर्चुअल मोड में ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया। एससीएसपी और एमजीएमजी कार्यक्रमों के अंतर्गत ग्रामीण महिला किसानों के लाभ के लिए क्षमता निर्माण संबंधी अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए और उन्हें महत्वपूर्ण निवेश प्रदान किए गए।

(अनिल कुमार)
निदेशक

RESEARCH HIGHLIGHTS

1. Designing and Development of Gender Sensitive Agri-Nutri (GSAN) Farming System Model

(Lipi Das, S. K. Srivastava, B. Sahoo, P. Jakhar, S. Swain and T. Seth)

Agri-nutri education to farm women was imparted through multimedia modules, nutri-quizzes, presentations and discussion forms involving different stakeholders. Different nutrition enhancing technologies were evaluated in participatory trial mode in Sankilo and Tentalpur villages of Nishintakoili block in Cuttack district. Under crop module of nutri-farming system high yielding and nutritive varieties of rice were evaluated in 40 nos. of women farmers' field in total area of 8 ha. The increase in yield under demonstrations was in range from 38 to 67% over existing farmers' practice. On an average, 56.2% yield advantage was recorded under demonstrations carried out with improved seed material and scientific package of practice. Through introduction of these high protein content HYV varieties an additional mean protein yield of 2.89 q/ha was added. This will help to meet out nutrition requirement of women as well as provide sufficient zinc. Among the interventions on balanced feeding of cows, the adoption rate of feeding balanced ration supplemented with mineral mixture was found to be most preferable (62%). Awareness on nutritional aspect among the 40 farm families was analyzed. The preferences of the household for cultivating horticultural crops was also studied. Among the horticultural crops the farm families preferred to cultivate papaya followed by banana (both plantain and dessert type) because of high market demand, high yield, easy seed availability and high nutrition content. The economic analysis of trial indicates higher mean gross and net returns of the demonstration to the tune of Rs 1,16,663 and Rs 64,213, respectively. Owing to improved seed and other inputs; the average cost of cultivation (Rs 52,450) in demonstration plots was higher in comparison to farmer practice. On mean values basis, an additional investment of Rs12,983/ha was made under demonstrations gave additional gross returns of Rs 41,943 per ha. Maximum net returns of Rs 75,564 were obtained in CR Dhan 312 cultivation. This variety cultivation also recorded highest incremental benefit: cost ratio (3.9) and effective gain (Rs 37,008/ha).

2. Women Empowerment and Gender Sensitization– Developing a Model for Bridging Gender Gap (NASF funded)

(Lipi Das, P. Jakhar and Gayatri Moharana)

The project was implemented in a cluster of two villages' viz., Sankilo and Tentalpur under Nischintakoili block of Cuttack district of Odisha with the aim of creating

अनसधान उपलब्धिया

1. लिंग संवेदी कृषि-पोषणिक (जीएसएएन) फार्मिंग प्रणाली मॉडल का डिजाइन तैयार करना और उसका विकास

(लिपि दास, एस.के. श्रीवास्तव, बी. साहू, पी. जाखड़, एस. स्वैन और टी. सेठ)

विभिन्न हितधारकों को शामिल करते हुए मल्टीमीडिया मॉड्यूल, पोषणिक प्रश्नोत्तरियों, प्रस्तुतियों और चर्चाओं के माध्यम से खेतिहर महिलाओं को कृषि-पोषणिक शिक्षा प्रदान की गई। कटक जिले के निशिंताकोइली ब्लॉक के सांकिलो और तेंतलपुर गांवों में भागेदारीपूर्ण परीक्षण मोड में पोषण को वृद्धि करने वाली विभिन्न प्रौद्योगिकियों का मूल्यांकन किया गया। पोषणिक-फार्मिंग प्रणाली के फसल मॉडयूल के अंतर्गत ग्रामीण कृषक महिलाओं के 8 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले खेत में चावल की उच्च उपजशील और पोषणिक किस्मों का मूल्यांकन किया गया। इन प्रदर्शनों के अंतर्गत कृषकों को वर्तमान किस्मों की तुलना में 38 से 67 प्रतिशत तक की अधिक उपज मिली। उन्नत बीज सामग्री तथा खेती की वैज्ञानिक विधियों को अपनाने से इन प्रदर्शनों के अंतर्गत 56.2% उपज लाभ रिकॉर्ड किया गया। इन उच्च प्रोटीन अंश वाली उच्च उपजशील किस्मों की खेती की शुरूआत होने से 2.89 क्विंटल/हेक्टेयर, प्रोटीन की अतिरिक्त औसत उपज प्राप्त हुई। इससे महिलाओं की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिलेगी और इसके साथ ही उन्हें उनके आहार में पर्याप्त मात्रा में जस्ता भी उपलब्ध होगा। गायों के संतुलित आहार से संबंधित किए गए प्रयोगों में यह पाया गया कि खनिज मिश्रण के साथ संतुलित राशन की आपूर्ति करते हुए आहार की दर अपनाना 62% अधिक बेहतर है। कुल 40 फार्म परिवारों के बीच पोषणिक पहलू पर जागरूकता का विश्लेषण किया गया। परिवारों की बागवानी फसलों की खेती की पसंद का भी अध्ययन किया गया। बागवानी फसलों में से कृषक परिवारों ने पपीते की खेती को सर्वाधिक प्रश्रय दिया और इसके पश्चात् इस मामले में केले का स्थान था (सब्जी के लिए और फल के रूप में प्रयुक्त होने वाले, दोनों के प्रकार के केलों का)। इसका कारण बाजार में इन फलों की उच्च मांग, इनकी उच्च उपज, बीज की आसानी से उपलब्धता और इनमें उपस्थित उच्च पोषणिक अंश थे। परीक्षण के आर्थिक विश्लेषण से यह संकेत मिला की प्रदर्शनों से कुल 1,16,663 रुपये और 64,213 रुपये का क्रमश: अधिक औसत सकल और निवल लाभ प्राप्त होता है। उन्नत बीज तथा अन्य निवेशों के कारण प्रदर्शन प्लाटों में खेती की औसत लागत (52,450 रुपये) किसानों द्वारा अपनाई जाने वाली विधियों में लगने वाली लागत की तुलना में अपेक्षाकृत कुछ अधिक थी। माध्य मानों के आधार पर प्रदर्शनों के अंतर्गत प्रति हेक्टेयर 12,983 रुपये का अतिरिक्त निवेश करने से 41,913 रुपये का अतिरिक्त सकल लाभ प्राप्त हुआ। सीआर धान 312 की खेती में 75,564 रुपये का सर्वोच्च निवल लाभ प्राप्त हुआ। इस किस्म की खेती से सर्वोच्च वृद्धिशील लाभ:लागत अनुपात (3.9) तथा प्रभावी लाभ (37,008 रुपये/हेक्टेयर) रिकॉर्ड किया गया।

2. महिला सशक्तिकरण और लिंग संवेदीकरण - लिंग अंतराल को पाटने के लिए मॉडल का विकास (एनएएसएफ की निधि सहायता प्राप्त)

(लिपि दास, पी. जाखड़ और गायत्री मोहराना)

यह परियोजना ओडिशा के कटक जिले के निश्चिंताकोइली ब्लॉक के अंतर्गत दो गांवों नामत: सांकिलो और टेंटलपुर में कार्यान्वित की गई, जिसका उद्देश्य

and sustaining Women Empowerment and Gender Sensitization. For bridging the gender gap, gender gap indicators were identified and assessed using the SHEET (Social-Health-Environmental-Economic-Technological) Module from a sample comprising of 40 farm families.

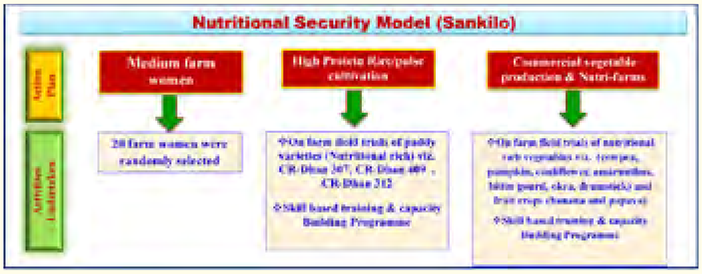

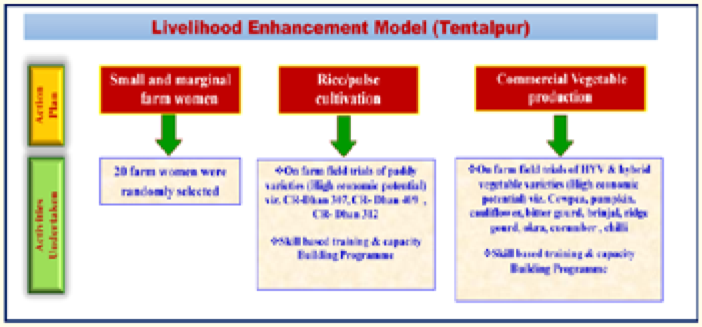

A three-tier approach for 'Gender Sensitive Agri-Horti Cropping System Model' was developed for livelihood upliftment, nutritional enhancement, and entrepreneurship development. Firstly, a livelihood model was designed for the small and marginal women farmers who have limited resources and low income. They were addressed with 'Gender Sensitive Agri-Horti Cropping System Model' in which action research on Rice-pulse cropping system and intensive vegetable cropping has been implemented in the proposed area with an objective of enhancing their annual farm income. The next tier comprised of medium-income group women farmers, who were addressed with the nutritional model for enhancing their nutrition requirement along with some addition to their annual farm income through the concept of nutri-farms. The last tier emphasized on empowering women farmers through promotion of 'agri-entrepreneurship' through value addition and mushroom farming.

महिला सशक्तिकरण और लिंग संवेदीकरण को सृजित करना और उसे बनाए रखना था। लिंग अंतराल को पाटने के लिए शीट मॉड्यूल का उपयोग करके (सामाजिक-स्वास्थ्य-पर्यावरणीय-आर्थिक-प्रौद्योगिकी) 40 खेतिहर परिवारों के नमूने से लिंग अंतराल के संकेतकों की पहचान की गई और उनका मूल्यांकन किया गया।

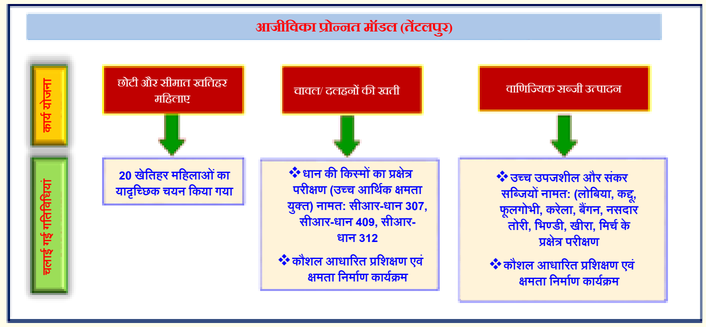

आजीविका उत्थान, पोषणिक स्तर बढ़ाने और उद्यमशीलता के विकास के लिए 'लिंग संवेदी कृषि-बागवानी फसल प्रणाली मॉडल' हेतु तीन स्तरीय दृष्टिकोण विकसित किया गया। इसके अंतर्गत सबसे पहले सीमित संसाधनों और कम आय वाली छोटी और सीमांत खेतिहर महिलाओं के लिए आजीविका का एक मॉडल डिजाइन किया गया। उन्हें 'लिंग संवेदी कृषि-बागवानी फसल प्रणाली मॉडल' के अंतर्गत परखा गया, जिसके अंतर्गत खेती से होने वाली उनकी वार्षिक आय को बढ़ाने के लिए प्रस्तावित क्षेत्र में चावल-दलहन फसल प्रणाली और गहन सब्जी फसलन पर कार्य अनुसंधान के साथ लागू किया गया। अगले स्तर में मध्यम आय वर्ग की वे खेतिहर महिलाएं थीं जिन्हें उनकी पोषण संबंधी आवश्यकताओं को बढ़ाने के लिए पोषणिक मॉडल के साथ परखा गया तथा पोषणिक फार्मों की संकल्पना के माध्यम से उनकी खेती से होने वाली वार्षिक आय को बढ़ाने का प्रयास किया गया। अंतिम स्तर में मूलवर्धन और खुम्बी की खेती के माध्यम से 'कृषि-उद्यमशीलता' को बढ़ाते हुए खेतिहर महिलाओं के सशक्तिकरण पर बल दिया गया।

The group approach in vegetable farming under livelihood enhancement model has generated a total income of ₹6,59,300/-. Similarly, the group approach in vegetable farming under nutritional security model has generated a total income of ₹ 8,45,750/- out of which a value of ₹6,76,600/- of vegetables used for household consumption and ₹ 1,69,150/- of vegetables sold in open market.

Under farm women-scientists interface a total number of two workshops, ten training programmes and twenty two demonstrations/field visits were conducted during the period. A technology folder was published.

3. Development of women entrepreneurship in livestock and fisheries sector for promoting gender equity and strengthening livelihood

(Tanuja S., A. K. Panda, Lipi Das and B. Sahoo)

Component 1: Women entrepreneurship development through small scale poultry production

Semi structured interview schedule for baseline data collection (socioeconomic profile, existing poultry production system, constraints faced by farm women for entrepreneurship development, etc.) has been developed. Five villages in Hindol block of Dhenkanal District, Odisha has been selected for baseline survey of 100 respondents. Two best poultry germplasms, Vanraja and Kadaknath has been identified for small scale poultry production for undertaking rural enterprise development

Component 2: Women entrepreneurship development through improved goat farming

The role of women in existing goat farming was collected through sample survey of goat keepers engaged in goat entrepreneurship mode (sample size -50) in goat concentrated areas of coastal districts of Odisha (Cuttack, Dhenkanal, Jagatsinghpur, Keonjhar and Ganjam.). A model goat farm in ICAR-CIWA is established consisting of 36 goats. Broiler goat rearing, a women friendly technology covering timely weaning and proper care on improved feeding and management and health care to develop superior buck was adopted in this model.

Component 3: Entrepreneurship development among rural women through value addition of fish

Two blocks and 4 villages and 12 SHG groups from 2 districts of Puri and Khordha has been identified for baseline survey of minimum 150 respondents and for selection of master trainers and producer groups. The products finalized for preparation protocol standardization and development of women led enterprises are a) Fermented product-fish pickle, prawn pickle, b) Cured product-solar dried fish/prawn, c) Ready to eat snack-Prawn sev , d)

आजीविका प्रौन्नत मॉडल के अंतर्गत सब्जी की खेती में समूह दृष्टिकोण से कुल 6,59,300 रुपये की आय सृजित हुई। इसी प्रकार, पोषणिक सुरक्षा मॉडल के अंतर्गत सब्जी की खेती में समूह दृष्टिकोण के अंतर्गत कुल 8,45,750 रुपये की आय हुई जिसमें से 6,76,600 रुपये की सब्जियों का उपभोग परिवार द्वारा किया गया और शेष 1,69,150 रुपये की सब्जियां खुले बाजार में बेची गईं।

इस अवधि के दौरान खेतिहर महिला-वैज्ञानिकों की आमने सामने की चर्चा के अंतर्गत कुल दो कार्यशालाएं, दस प्रशिक्षण कार्यक्रम और 22 प्रदर्शन/प्रक्षेत्र भ्रमण आयोजित किए गए। एक प्रौद्योगिकी फोल्डर भी प्रकाशित किया गया।

3. लिंग समानता को बढ़ाने तथा आजीविका को सबल बनाने के लिए पशुधन एवं मात्स्यिकी के क्षेत्र में महिला उद्यमशीलता का विकास

(तनुजा एस., ए.के. पांडा, लिपिदास और बि. साहू)

घटक 1: छोटे पैमाने के कुक्कुट उत्पादन के माध्यम से महिला उद्यमशीलता का विकास

आधारभूत आंकड़ा संकलन (सामाजिक-आर्थिक रूपरेखा, विद्यमान कुक्कुट उत्पादन प्रणाली, उद्यमशीलता विकास के लिए खेतिहर महिलाओं के समक्ष आने वाली बाधाएं आदि) के लिए अर्ध-संरचित साक्षात्कार अनुसूची विकसित की गई है। कुल 100 उत्तरदाताओं के आधारभूत संरक्षण के लिए ओडिशा के ढेंकानाल जिले के इंडोल ब्लॉक में पांच गांव चुने गए। ग्रामीण उद्यमशीलता विकास हेतु छोटे पैमाने पर कुक्कुट उत्पादन के लिए दो सर्वश्रेष्ठ कुक्कुट जननद्रव्यों नामत: वनराज और कड़कनाथ की पहचान की गई।

घटक 2: उन्नत बकरी पालन के माध्यम से महिला उद्यमशीलता का विकास

वर्तमान बकरी पालन में महिलाओं की भूमिका के बारे में ओडिशा के तटवर्ती जिलों (कटक, ढेंकानाल, जगतसिंहपुर, क्योंझार और गंजम) के गहन बकरी पालन वाले क्षेत्रों में बकरी उद्यमशीलता मोड (नमूना आकार-50) में बकरी पालकों के नमूना सर्वेक्षण के माध्यम से आंकड़े एकत्र किए गए। भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए में एक आदर्श बकरी फार्म स्थापित किया गया जिसमें 36 बकरे-/बकरियां हैं। मांस के लिए बकरी-पालन के अंतर्गत जो एक महिलाओं के लिए अनुकूल प्रौद्योगिकी है, श्रेष्ठ मेमनों को विकसित करने की दृष्टि से समय पर उनके दूध छुड़ाने, उन्नत आहार के साथ उचित देखभाल करने और समुचित स्वास्थ्य देखभाल व प्रबंधन से युक्त एक महिला अनुकूल प्रौद्योगिकी विकसित करके इस मॉडल में अपनाई गई।

घटक 3: मछली मूल्यवर्धन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं में उद्यमशीलता का विकास

कम से कम 150 उत्तरदाताओं के आधारभूत सर्वेक्षण के लिए पुरी और खोर्धा जिलों से दो ब्लॉकों, चार गांवों तथा बारह स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की पहचान की गई है और प्रमुख प्रशिक्षकों व उत्पादक समूहों को इसके अंतर्गत रखा गया है। महिलाओं के नेतृत्व में उद्यमों के लिए प्रोटोकाल के मानकीकरण व विकास के लिए जिन उत्पादों को अंतिम रूप दिया गया है, वे हैं: (क) किण्वित उत्पाद – मछली का अचार, झींगे का अचार (ख) संसाधित उत्पाद-धूप में सुखाई गई मछलियां/झींगे, (ग) तत्काल खाने

Ready to cook snack-Fish papad. The criteria for selection of these products were a) Shelf life, b) Nutritional value, c) Availability of raw material, d) Marketability and e) Ease of preparation. The mineral composition of solar dried prawn was estimated. 2 master trainers belonging to SHG groups of 2 villages of 1 block each of Puri and Khordha District have been selected for imparting the skill on enterprise development on value added products. Experiments on standardisation of preparation of Prawn Sev and fish pickle have been done. Training on preparation of prawn sev and fish pickle to one of the selected beneficiaries from Astaranga Block has been imparted on 20 October 2020 and 11 November 2020 respectively. 2 cabinet solar dryers and 3 Aluminium foil sealing machine has been procured under the SCSP scheme for distribution among producer groups

4. Design and development of gender sensitive integrated vertical nutri-farming system (IVNFS) for household nutrition and income

Tania Seth, Arun Kumar Panda, C. S. Mhatre

Designing of gender sensitive integrated vertical nutri-farming system (IVNFS) for ensuring household dietary diversity and nutrition: A low cost gender friendly integrated vertical nutri-farming system (IVNFS) was designed for growing of year round nutritious vegetables along with poultry farming and/or mushroom cultivation. The model is a triangular shaped structure made up of iron which can be used outdoors under outdoor condition. The system comprises of three layered vertical structure for cultivation of nutritious vegetables and poultry farming and/or mushroom cultivation in an integrated approach in the in between space of the triangular structure. A total of six number of troughs on both sides of the structure will be utilized for year round vegetable cultivation in the vertical space and the in between space will be utilized for rearing of dual purposes (egg laying and meat) breed of poultry birds and/or mushroom cultivation. The height of the vegetable troughs is made keeping in view the average height of women so that women farmer can easily perform all the cultural and intercultural operations easily. This structure use soil or soilless growing medium for cultivation of vegetables.

The IVNFS ensures dietary diversity and nutritional security of landless women farmers through production of vegetables, egg from a small area around the homestead backyard. It will also help in improved participation of women on household production and provide a subsidiary source of income to the women farmers.

के लिए तैयार स्वल्पाहार-झींगे के सेब, (घ) तत्काल खाने के लिए तैयार-मछली पापड़। इन उत्पादों के चयन के लिए जो मानदंड निर्धारित किए गए थे, वे थे: (क) निधानी आयु, (ख) पोषणिक मूल्य, (ग) कच्चे माल की उपलब्धता, (घ) विपणनशीलता और (ड.) बनाने में सरलता। धूप में सुखाए गए झींगों के खनिजीय संघटन का आकलन किया गया तथा मूल्यवर्धित उत्पादों पर उद्यमशीलता विकास से संबंधित कौशल प्रदान करने के लिए पुरी तथा खोर्धा जिले, प्रत्येक के एक ब्लॉक के दो गांवों के स्वयं सहायता समूहों के अंतर्गत आने वाले दो प्रमुख प्रशिक्षकों का चयन किया गया। झींगे का सेब और मछली का अचार तैयार करने की विधियों के मानकीकरण पर प्रयोग किए गए हैं। अष्टरंगा ब्लॉक के एक चुने गए लाभार्थी को 20 अक्टूबर 2020 तथा 11 नवम्बर 2020 को क्रमश: प्रान के सेब और मछली का अचार तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया। उत्पादक समूहों में वितरण के लिए एससीएसपी योजना के अंतर्गत दो कैबिनेट सौर शुष्कक तथा ऐल्यूमीनियम की पन्नी में सीलबंद करने के लिए तीन मशीनें भी खरीदी गई हैं।

4. घरेलू पोषण एवं आय के लिए लिंग संवेदी समेकित लम्बवत पोषणिक-फार्मिंग प्रणाली (आईवीएनएफएस) का डिजाइन एवं विकास

(तानिया सेठ, अरूण कुमार पांडा, सी.एस. म्हात्रे)

परिवार की आहारीय विविधता एवं पोषण को सुनिश्चित करने के लिए लिंग संवेदी समेकित लम्बवत पोषणिक फार्मिंग प्रणाली (आईवीएनएफएस) का डिजाइन तैयार करना: कुक्कुट पालन तथा/या खुम्बी की खेती के साथ-साथ वर्षभर पोषणिक सब्जियां उगाने के लिए एक कम लागत वाली लिंग अनुकूल समेकित लम्बवत पोषणिक-फार्मिंग प्रणाली (आईवीएनएफएस) डिजाइन की गई। यह मॉडल एक त्रिकोणीय आकार की संरचना है जो लोहे की बनी है और इसे घर के बाहर भी ले जाया जा सकता है। इस प्रणाली में त्रिकोणीय संरचना के अंतरालों के बीच पोषणिक सब्जियों की खेती और कुक्कुट पालन तथा/या खुम्बी की खेती का समेकित दृष्टिकोण अपनाते हुए तीन परतीय लम्बवत संरचनाएं होती हैं। संरचनाओं के दोनों छोरों पर कुल छह नांदों का उपयोग लम्बवत स्थान में वर्षभर सब्जियां उगाने के लिए किया जाएगा तथा इनके बीच के स्थान का उपयोग कुक्कुट पक्षियों की नस्ल को दोहरे उद्देश्यों (अंडे प्राप्त करने और मांस प्राप्त करने, दोनों के लिए) हेतु कुक्कुट पालन और/अथवा खुम्बी की खेती के लिए किया जाएगा। सब्जी उगाई जाने वाली नांदों की ऊंचाई महिलाओं की औसत ऊंचाई को ध्यान में रखते हुए तय की गई है ताकि खेतिहर महिलाएं कृषि से संबंधित सभी कार्य आसानी से कर सकें। इस संरचना में सब्जियां उगाने के लिए मृदा का अथवा मृदाहीन माध्यम का उपयोग किया जाता है।

आईवीएनएफएस का एक अतिरिक्त लाभ यह है कि यह घर के पीछे उपलब्ध बहुत कम क्षेत्र में सब्जियों, अंडों, मांस और खुम्बियों के माध्यम से आहारीय विविधता और पोषणिक सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सकता है। इससे घरेलू उत्पादन के संदर्भ में महिलाओं की भागीदारी को सुधारने में सहायता मिलेगी तथा खेतिहर महिलाओं की आय का एक अन्य स्रोत भी उपलब्ध होगा।

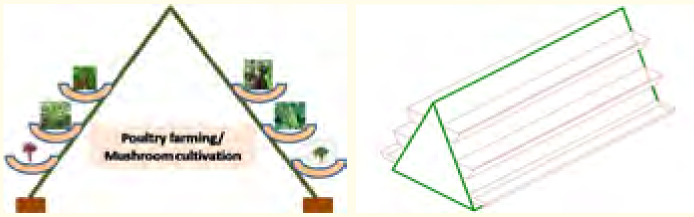

Schematic diagram of gender friendly integrated vertical nutri-farming system (IVNFS)

5. Development of Integrated National Information System for Women in Agriculture (DINISWA)

(Ananta Sarkar and Neetish Kumar)

Under the project, conceptual frameworks on format for gender factsheet of institutions and on format for profile of progressive women farmers of the country have been developed.

Gender factsheet in agriculture (Institute/Organization level): Institutions/organizations under the ICAR is focussing on women in agriculture and generating gender disaggregated data on various parameters which are not properly documented and available in public domain. Most of the time, parliament questions related to women are being forwarded to ICAR-CIWA, Bhubaneswar for answering, for which there is a need of national level database. Hence, an institute/organization gender factsheet in agriculture is being developed for capturing year wise information on various parameters related to gender in the domain of agriculture (viz. year wise research projects, technologies generated, staff details, trainings & capacity building, teaching (students enrolled), national schemes beneficiaries) that are already being done, but not properly documented. The factsheet aims at preparing a national level database on women for understanding the change in involvement of both men and women in various fields of agriculture over time. For developing the database, a web-based framework is conceptualized for online data collection and showcase of micro level (Institute wise) to macro level (National level) information.

Profile of progressive women farmers of India: Large number of women have taken up farming as source of livelihood over years and many of them are successful in different sectors of agriculture in the country. Very less effort were being taken to showcase the success as well as the area of success except in the form of some success stories and case studies. A number of profile formats were being studied and a comprehensive format for profile of progressive women farmers was designed that contains information on basic information and on how she has been recognized as a progressive women farmer. The data base aims to classify whether the farmer is an entrepreneur and/or women leader, different sector wise and region wise list of farmers can be generated which may be useful for encouraging more and more women in farming.

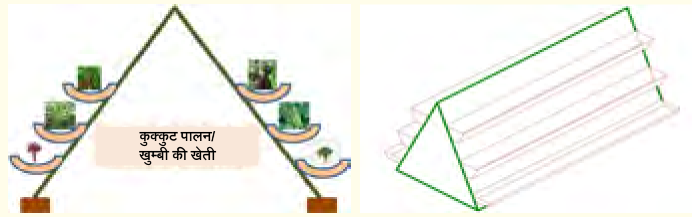

लिंग अनुकूल समेकित लम्बवत पोषणिक-फार्मिंग प्रणाली (आईवीएनएफएस) का रेखाचित्र

5. कृषिरत महिलाओं के लिए समेकित राष्ट्रीय सूचना प्रणाली का विकास

(अनन्त सरकार और नीतीश कुमार)

इस परियोजना के अंतर्गत देश की प्रगतिशील महिला किसानों की रूपरेखा के लिए फार्मेट तथा संस्थाओं की लिंग फैक्टशीट के लिए फार्मेट पर संकल्पनात्मक फ्रेमवर्क विकसित किए गए हैं।

कृषि में लिंग फैक्टशीट (संस्थान/संगठन स्तर पर) : भा.कृ.अ.प. के अंतर्गत विभिन्न संस्थाएं/संगठन उन विभिन्न प्राचलों पर लिंग से संबंधित आंकड़े एकत्र कर रही हैं जिन्हें अभी तक उचित रूप से प्रलेखित नहीं किया गया था और जो सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध नहीं थे। इसी के साथ ये संस्थाएं/संगठन इस संदर्भ में कृषिरत महिलाओं पर विशेष ध्यान केन्द्रित कर रही हैं। कई बार महिलाओं से संबंधित संसदीय प्रश्न भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर को उत्तर देने के अग्रेषित किए जाते हैं जिसके लिए राष्ट्रीय स्तर के डेटाबेस की आवश्यकता है। इसलिए कृषि में संस्थान/संगठन लिंग फैक्टशीट विकसित की जा रही हैं, ताकि कृषि के क्षेत्र में लिंग से संबंधित विभिन्न प्राचलों पर वर्षवार सूचना एकत्र करके प्रस्तुत की जा सके (उदाहरणत: वर्षवार अनुसंधान परियोजनाएं, सृजित की गई प्रौद्योगिकियां, स्टॉफ का विवरण, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, पंजीकृत छात्रों का शिक्षण, राष्ट्रीय योजनाओं के लाभार्थी)। यद्यपि यह पहले भी किया जा चुका है, लेकिन अभी तक इसका उचित रूप से प्रलेखन नहीं हुआ है। इस फैक्टशीट का उद्देश्य महिलाओं पर राष्ट्रीय स्तर का डेटाबेस तैयार करना है, ताकि समय के साथ कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं, दोनों के शामिल होने के संदर्भ में हुए परिवर्तनों को समझा जा सके। डेटाबेस विकसित करने के लिए ऑनलाइन डेटा संकलन और सूक्ष्म स्तर (संस्थानवार) से वृहत स्तर (राष्ट्रीय स्तर पर) सूचना को प्रदर्शित किया जा सके और ऑन लाइन डेटा संकलन को उचित रूप देते हुए एक संकल्पना तैयार की जा सके। यह एक वेब आधारित फ्रेमवर्क है।

भारत की प्रगतशील महिला किसानों की रूपरेखा: पिछले कुछ वर्षों के दौरान अनेक महिलाओं ने अपनी आजीविका के स्रोत के रूप में खेती को अपनाया है तथा इनमें से अनेक देश में कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में सफल भी हुई हैं। सफलता की कुछ गाथाओं और मामला अध्ययनों के अतिरिक्त सफलता के अनेक उदाहरणों को जनता के समक्ष लाने की दिशा में बहुत कम प्रयास किए जा रहे हैं। तथापि, अब अनेक रूपरेखा फार्मेट का अध्ययन किया जा रहा है और उसके आधार पर प्रगतशील महिला किसानों की रूपरेखा के लिए एक वृहत फोरमेट डिजाइन किया गया है जिसमें मूलभूत पहलुओं पर सूचना को शामिल किया गया है और यह दर्शाने का प्रयास किया गया है कि किसी महिला को किस प्रकार प्रगतशील महिला किसान के रूप में पहचाना जा सकता है। इस डेटाबेस का उद्देश्य महिला किसानों को इस दृष्टि से वर्गीकृत करना है कि वह महिला कोई उद्यमी है, और/अथवा महिला नेता है, विभिन्न क्षेत्रवार उनकी क्या स्थिति है और इस प्रकार ऐसी महिला किसानों की क्षेत्रवार सूची तैयार की जा सकती है जो अधिक से अधिक खेती में लगी महिला किसानों को प्रोत्साहित करने में उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

REVIEW MEETINGS

Institute Research Council Meeting (23 September 2020 and 9 October 2020)

The 20th Institute Research Council (IRC) Meeting of ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar was held on 23 September, 2020 and 9 October 2020 in virtual mode. The objectives of the meeting was to review the new project proposals, progress of ongoing research projects for the period from April, 2019 to March, 2020, action taken on the proceedings of the 19th IRC meeting and discuss the future course of action. Dr. P. S. Pandey, ADG (EP&HS), ICAR advised that scientists to formulate projects in networking and problem solving mode with a national perspective and to validate the research findings through the AICRP (HS) centers located across the country. ICAR-CIWA should take up a mega project for database development for women in agriculture and should bring out a document on gender mainstreaming. The presentations of the new projects were made under programme mode. The research achievements of the ongoing projects of mid-term plan (2017-2020) for the period of April 2019 to March 2020 were also reviewed.

Research Advisory Committee Meeting (28-29 October 2020)

The 20th Meeting of Research Advisory Committee (RAC) of ICAR-CIWA was held during 28-29 October, 2020 in virtual mode. Dr. V. N. Sharda, Chairman, RAC and Ex-Member, ASRB, New Delhi appreciated the comprehensive presentation of the salient achievements under each of the completed (Institute and externally funded) projects, AICRP (HS) and AICRP (ESA). Director, ICAR-CIWA presented the salient achievements in the past and the future perspectives of ICAR-CIWA. The modified new project proposals of ICAR-CIWA and AICRP (HS) under programme mode were also presented. After discussion on, deliberation and modus operandi of various research works along with future perspective of ICAR-CIWA, the Committee made various recommendations. Director, ICAR-CIWA expressed his sincere gratitude to the RAC Chairman and Members for showing their concern for the Institute and offering constructive suggestions for strengthening the research and extension activities of the Institute.

MAJOR EVENT

CELEBRATION OF NATIONAL DAYS/WEEKS

Celebration of 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi Ji (2 October, 2020)

The 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi Ji was celebrated at ICAR-Central Institute for Women in

समीक्षा बठक

संस्थान अनुसंधान परिषद की बैठक (23 सितम्बर 2020 और 9 अक्टूबर 2020)

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर की 20वीं संस्थान अनुसंधान परिषद (आईआरसी) की बैठक 30 सितम्बर 2020 तथा 9 अक्टूबर 2020 को वर्चुअल मोड में आयोजित की गई। इस बैठक का उद्देश्य अप्रैल 2019 से मार्च 2020 की अवधि के दौरान संस्थान में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा करना, नए अनुसंधान प्रस्तावों पर विचार करना, 19वीं आईआरसी बैठक के कार्यवृत्त पर की गई कार्रवाई की भी समीक्षा करना तथा भावी कार्य योजना पर चर्चा करना था। डॉ. पी.एस. पाण्डे, सहायक महानिदेशक (ईपी और एचएस) भा.कृ.अ.प. ने यह परामर्श दिया कि वैज्ञानिक पूरे देश में स्थित एआईसीआरपी (एचएस) के केन्द्रों के माध्यम से अनुसंधान उपलब्धियों को सत्यापित करें तथा राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में समस्याओं को हल करने तथा नेटवर्किंग के लिए परियोजनाएं तैयार करें। भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए को कृषिरत महिलाओं के लिए डेटाबेस के विकास हेतु एक बृहत परियोजना चलानी चाहिए तथा लिंग मुख्य धारा पर एक दस्तावेज प्रकाशित करना चाहिए। नई परियोजनाओं की प्रस्तुतियां प्रोग्राम मोड के अंतर्गत की गईं। अप्रैल 2019 से मार्च 2020 की अवधि के लिए मध्यावधि योजना (2017-2020) की चल रही परियोजनाओं की अनुसंधान उपलब्धियों की भी समीक्षा की गई।

अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक (28-29 अक्टूबर 2020)

भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए की अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की 20वीं बैठक नई दिल्ली स्थित कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के पूर्व सदस्य तथा आरएसी के अध्यक्ष डॉ. बी.एन. शारदा की अध्यक्षता में 28-29 अक्टूबर 2020 को वर्चुअल मोड में आयोजित की गई। उन्होंने पूरी हो चुकी प्रत्येक परियोजना (संस्थान की और बाह्य निधि सहायता प्राप्त), एआईसीआरपी (एचएस) और एआईसीआरपी (ईएसए) की प्रमुख उपलब्धियों पर की गई व्यापक प्रस्तुतियों की सराहना की। निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए ने संस्थान की पूर्व एवं भावी परियोजनाओं की प्रमुख उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। अध्यक्ष ने व्यापक प्रस्तुतीकरण की सराहना की। भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए और एआईसीआरपी (एचएस) की सुधारे गए नए परियोजना प्रस्तावों को भी कार्यक्रम मोड के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया। चर्चा और विस्तृत विचार-विमर्श के बाद भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए के भावी परिदृश्य के साथ विभिन्न अनुसंधान कार्यों की क्रियाविधि पर भी चर्चा हुई और समिति ने इस संदर्भ में अनेक सिफारिशें की। निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए ने संस्थान के प्रति अपना लगाव प्रदर्शित करने के लिए आरएसी के अध्यक्ष और सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया तथा उनके द्वारा संस्थान की अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों को सबल बनाने के लिए जो अन्य सकारात्मक सुझाव दिए गए थे, उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। आरएसी ने संस्थान की अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों को सबल बनाने के लिए सकारात्मक सुझाव के साथ अनेक सिफारिशें की।

प्रमख गतिविधिया

राष्ट्रीय दिवसों/सप्ताह का आयोजन

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती (2 अक्टूबर 2020) का आयोजन

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान (सीआईडब्ल्यूए), भुवनेश्वर में 2 अक्टूबर 2020 को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान महात्मा गांधी जी की 150वीं जयंती मनाई गई। एक सप्ताह तक आयोजित समारोहों के अंतर्गत संस्थान

Agriculture (ICAR-CIWA), Bhubaneswar during the week ending 2 October, 2020. As part of the week long celebrations, a painting competition on the theme ''World of Mahatma Gandhi'' was organized at the Institute on 30 September, 2020. Awareness creation programme on drudgery reduction of farm women was organized at the Institute for a cluster of Scheduled Caste farm women from different villages of Puri district on October 1, 2020. An essay writing competition on the theme ''Gandhi on Social Issues against Women'' was arranged on 1 October, 2020. The valedictory function of the 150th Birth Anniversary Celebration of Mahatma Gandhi Ji was organized virtually on 2 October 2020. The programme started with the introductory remarks by Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA, in which he recited a poem on Father of our Nation. He also highlighted the role of Mahatma on Education, Agriculture, Rural Development, and especially on Women Empowerment. It was followed by an elocution competition on the theme ''Mahatma Gandhi's thoughts on Women Empowerment and Present Scenario'', in which most of the Staff participated with zeal and enthusiasm. All the Staff members paid tribute to Mahatma by reciting poems on Mahatma, and highlighting the quotes and talks on Gandhian philosophies.

Rastriya Mahila Kisan Diwas (15 October, 2020)

ICAR-CIWA, Bhubaneswar virtually celebrated the "Mahila Kisan Diwas" on 15 October, 2020. Dr. R. C. Agrawal, Deputy Director General (Agricultural Education), ICAR, chief guest of the programme highlighted the progressive women farmers' contributions in conserving the agro-biodiversity. The Guest of Honor, Dr. P. S. Pandey, ADG (EP&HS), ICAR stressed on utilizing the local resources focusing on vocal for local theme. Dr. Vijaya Khader, Former Dean, Faculty of Home Science, Professor Jayashankar, Telangana State Agricultural University, Hyderabad highlighted the three major roles of women as productive role, service role and nurturing role which are being ignored and not recognized in the society as women farmers. Shri Aditya Kumar Nayak, Director, Department of Post Office, Bhubaneswar outlined the various postal schemes aimed at benefiting the women. Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA, Bhubaneswar urged the women farmers to develop themselves as entrepreneurs for making the agriculture more profitable and making India Atmanirbhar. Progressive farm women from Odisha, Rajasthan, Uttarakhand and Himachal Pradesh participated in the event. About 100 participants from different states virtually attended the programme.

World Food Day (16 October, 2020)

ICAR-CIWA celebrated "World Food Day" on 16 October, 2020. The theme of the programme was 'Grow, Nourish, Sustain. Together, Our Actions are our Future'. Dr. P. S. Pandey, ADG (EP&HS), ICAR, New Delhi graced the

में 30 सितम्बर 2020 को 'महात्मा गांधी का संसार' विषय पर एक पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। दिनांक 1 अक्टूबर 2020 को पुरी जिले के विभिन्न गांवों से आई अनुसूचित जाति की खेतिहर महिलाओं के एक समूह के लिए संस्थान में खेतिहर महिलाओं के श्रम को कम करने के लिए एक जागरूकता सृजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। 1 अक्टूबर 2020 को ही 'महिलाओं के विरुद्ध सामाजिक मुद्दों पर गांधी जी 'विषय पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित हुई। दिनांक 2 अक्टूबर 2020 को महात्मा गांधी जी की 150वीं जयंती समारोह का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आरंभ डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए की एक परिचयात्मक टिप्पणी के साथ हुआ जिसमें उन्होंने हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर एक कविता पढ़ी। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के विशेष संदर्भ के साथ महात्मा गांधी की शिक्षा, कृषि और ग्रामीण विकास में निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात् 'महिला सशक्तिकरण और वर्तमान परिदृश्य और महात्मा गांधी के विचार' विषय पर एक वाक-प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें स्टाफ के अधिकांश सदस्यों ने अत्यंत उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्टाफ के सभी सदस्यों ने कविता पाठ करके महात्मा गांधी के प्रति अपनी श्रृद्धांजलि दी तथा इस अवसर पर गांधी दर्शन से संबंधित उद्धरणों और वार्ताओं पर भी प्रकाश डाला गया।

राष्ट्रीय महिला किसान दिवस (15 अक्टबर 2020)

भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए, भुवनेश्वर में 15 अक्टूबर 2020 को 'महिला किसान दिवस' वर्चुअल मोड पर आयोजित किया गया। डॉ. आर.सी. अग्रवाल, उप महानिदेशक(कृषि शिक्षा), भा.कृ.अ.प. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थी और उन्होंने कृषि जैव विविधता के संरक्षण में प्रगतिशील खेतिहर महिलाओं के योगदानों पर प्रकाश डाला। इस समारोह के माननीय अतिथि डॉ. पी. एस. पाण्डे, सहायक महानिदेशक (ईपी और एचएस), भा.कृ.अ.प. ने 'वोकल फॉर लोकल' विषय पर ध्यान केन्द्रित करते हुए स्थानीय संसाधनों के प्रयोग पर बल दिया। डॉ. विजय खादे, पूर्व अधिष्ठाता, गृह विज्ञान संकाय, प्रो. जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय,हैदराबाद में उत्पादक की भूमिका, सेवा की भूमिका और पालन'-पोषण की भूमिका, महिलाओं की इन तीन भूमिकाओं पर प्रकाश डालते हुए इस तथ्य पर खेद व्यक्त किया कि इनकी उपेक्षा की जाती है और खेतिहर महिलाओं की कृषि में भूमिका पर समाज में उचित मान्यता नहीं प्रदान की जाती है। श्री आदित्यनाथ नायक, डाकघर निदेशक विभाग,भुवनेश्वर ने महिलाओं के लाभ के उद्देश्य से चलाई जा रही डाक संबंधी विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए, भुवनेश्वर में कृषि को अधिक लाभदायक बनाने के साथ-साथ भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए खेती से जुड़ी महिलाओं को स्वयं को उद्यमी के रूप में विकसित करने का अनुरोध किया। इस समारोह में ओडिशा, राजस्थान, उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश से आई प्रगतिशील खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया और विभिन्न राज्यों की लगभग 100 प्रतिभागियों ने भी इस कार्यक्रम में वर्चुअल मोड में भाग लिया।

विश्व खाद्य दिवस (16 अक्टबर 2020)

भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए ने 16 अक्टूबर 2020 को 'विश्व खाद्य दिवस' मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य 'विकसित होना, पोषणशील होना और टिकाऊ होना' था। इसके साथ ही इसका एक अन्य उद्देश्य 'हमारे कार्य ही हमारा भविष्य हैं' भी था। डॉ. पी.एस. पाण्डे, सहायक महानिदेशक (ईपी और एचएस), भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली ने

programme and highlighted the crucial role of farmwomen in maintaining family food and nutrition security. He emphasized that empowering women in agriculture and improving their access to inputs, technologies and services can bring phenomenal changes in the present agricultural production scenario of the country specifically in establishing value chains and doubling farmer's income leading towards Atmanirbhar Bharat. ICT for women empowerment and technologies to reach out to the farm women for their nutritional empowerment is the need of the hour for livelihood enhancement of women in agriculture. The knowledge and skill upgradation programmes should focus on eradication of malnutrition as urged by Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA. Dr. Krishna Srinath, Dr. Neelam Grewal and Dr. Jatinder Kishtwaria, former Directors of the Institute graced the occasion who shared their wisdom on diversification of crops and food, significance of bringing more area under coarse grains, establishing kitchen gardens and community gardens, strengthening storage facilities and market linkage for increasing the shelf life of vegetables for overall improvement of livelihood of farmwomen.

ICAR-CIWA Observed Vigilance Awareness Week- (27 October to 2 November, 2020)

As per the instruction of Central Vigilance Commission and Indian Council of Agriculture and Research, New Delhi, ICAR-CIWA, Bhubaneswar observed the Vigilance Awareness Week-2020 from 27 October to 2 November, 2020 with a theme of "Vigilant India Prosperous India". Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR–CIWA administered the vigilance pledge to all the staff members and explained importance of the events. The Administrative Officer shared the information about housekeeping activities of the institute. The scientists, administrative and technical staff of the Institute participated in the pledge on 27 October 2020. A Seminar Talk was organized on 29 October 2020 on "Vigilant India Prosperous India" by Mr. I. B. Kumar, Senior Administrative Officer of ICAR-CIFA, Bhubaneswar to create awareness on making India corruption free. For more publicity and sensitization among citizens, about 220 messages on Vigilance Awareness Week-2020 were transmitted through Whatsapp, ICAR CIWA Facebook and Twitter. The hand out on "Ëffects of corruption in public life" was shared with the staff members. Activities like Quiz and Debate competitions were organized for the staff as well as their family members on 30th October 2020 and 2 November 2020 respectively. The valedictory function was conducted on 2 November 2020 in which Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR–CIWA highlighted the importance of integrity of an individual for development of a nation and for eradication of corruption. E-certificates were awarded to winners of various competitions.

समरोह की शोभा बढाई तथा परिवार की खाद्य एवं पोषणिक सुरक्षा को बनाए रखने में खेतिहर महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस तथ्य पर बल दिया कि कृषि में महिलाओं के सशक्तिकरण तथा निवेशों, प्रौद्योगिकियों और सेवाओ तक उनकी पहुंच में सुधार से देश के वर्तमान कृषि उत्पादन परिदृश्य में उल्लेखनीय परिवर्तन लाए जा सकते हैं और विशेष रूप से मूल्य श्रृंखलाएं स्थापित करने तथा किसानों की आय दुगुनी करने में इनका विशेष योगदान हो सकता है जिससे आत्मनिर्भर भारत का निर्माण किया जा सकता है। महिलाओं के पोषणिक सशक्तिकरण के लिए खेतिहर महिलाओं तक प्रौद्योगिकियों की पहुंच को सुलभ करने तथा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) समय की मांग है जिससे कृषिरत महिलाओं की आजीविका में वृद्धि की जा सकती है। डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए ने कुपोषण को मिटाने के लिए ज्ञान एवं कौशल उन्नयन कार्यक्रमों पर ध्यान केन्द्रित करने का सुझाव दिया। डॉ. कृष्णा श्रीनाथ, डॉ. नीलम ग्रेवाल और डॉ. जतीन्द्र किस्तवारिया जो सभी संस्थान के पूर्व निदेशक थे, उन्होंने इस समारोह की शोभा बढ़ाई तथा फसलों और खाद्य के विविधीकरण, मोटे अनाजों की खेती के अंतर्गत अधिक से अधिक क्षेत्र लाने के महत्व, गृह वाटिकाएं स्थापित करने तथा सामुदायिक वाटिकाएं स्थापित करने और सब्जियो की निधानी आयु बढ़ाने के लिए भंडारण सुविधाओं तथा बाजार सम्पर्कों को सबल बनाने और इस प्रकार, खेतिहर महिलाओं की आजीविका में सकल सुधार लाने के लिए किए जाने वाले उपायों पर अपने बहुमूल्य विचार व्यक्त किए।

भा.क.अ.प.-सीआईडल्यए म सतकता जागरूकता सप्ताह 2020 मनाया गया (27 अक्टबर स 2 नवम्बर 2020 तक)

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली तथा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों के अनुसार भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए, भुवनेश्वर में 27 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2020 मनाया गया जिसका मुख्य उद्देश्य 'सतर्क भारत, समृद्ध भारत' था। डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए ने स्टाफ के सभी सदस्यों को सतर्कता शपथ दिलाई और इस प्रकार के अवसरों के महत्व के बारे में बताया। प्रशासनिक अधिकारी ने संस्थान की हाउसकीपिंग गतिविधियों के बारे में सूचना साझा की। दिनांक 27.10.2020 को आयोजित शपथ समारोह में संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, प्रशासनिक एवं तकनीकी स्टाफ ने भाग लिया। दिनांक 20 अक्टूबर 2020 को भा.कृ.अ.प.-सीआईएफए, भुवनेश्वर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री आई.बी. कुमार के द्वारा 'सतर्क भारत, समृद्ध भारत' विषय पर एक सेमिनार वार्ता प्रस्तुत की गई, ताकि भ्रष्टाचार मुक्त भारत के प्रति जागरुकता सृजित की जा सके। नागरिकों के बीच और अधिक प्रचार-प्रसार तथा संवेदनशीलता के लिए वाट्सऐप, भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए फेसबुक और ट्वीटर पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2020 से संबंधित लगभग 220 संदेश प्रसारित किए गए। सदस्यों के बीच 'सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार के प्रभावों' के बारे में एक हैंडआउट भी साझा किया गया। दिनांक 30 अक्टूबर 2020 और 2 नवम्बर 2020 को संस्थान के स्टाफ और उनके परिवार के सदस्यों के लिए क्रमश: प्रश्न-मंच और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। दिनाक 2 अक्टूबर 2020 को समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें संस्थान के निदेशक डॉ. एस.के.श्रीवास्तव ने भ्रष्टाचार को मिटाने तथा राष्ट्र के विकास के लिए व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा के महत्व पर प्रकाश डाला। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को ई-प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

26th Foundation Day of ICAR-CIWA (17 February, 2021)

The Institute celebrated its 26th Foundation Day on 17 February, 2021 through virtual platform. Director of the Institute, Dr. S. K. Srivastava welcomed all the dignitaries and participants. Hon'ble DDG (Agrl. Edn.) Dr. R. C. Agrawal was the Chief Guest. He congratulated the staff of ICAR-CIWA and stressed that as ICAR-CIWA is a unique institute, it shoulders immense responsibilities towards its stake holders. Several publications of the institute were also released by the Chief Guest. The foundation day lecture was delivered by, Dr. Vinita Sharma, Former Advisor & Head, Science for Equity, DST, Govt. of India; Former Chairperson, RAC, ICAR-CIWA, Bhubaneswar on "Gender sensitization for nutrition sensitive agriculture". Dr. M. P. S. Arya, Former Director ICAR-CIWA, was the invited guest of the programme. Farm women from various adopted villages shared their experiences regarding the overall benefits they achieved through their collaboration with ICAR-CIWA. Director, ICAR-CIWA felicitated Dr. M. P. S. Arya, Former Director ICAR-CIWA. The cleaning and maintenance staff of ICAR-CIWA were also felicitated for their continuous service during the Covid-19 pandemic.

National Science Day (28 February, 2021)

ICAR- Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA), Bhubaneswar celebrated National Science Day on 28 February, 2021 in virtual mode. On this occasion, Dr. P. P. Mathur, Vice Chancellor, Birla Global University and Former Vice Chancellor KIIT University, Bhubaneswar was the Chief Guest. The programme was attended by more than 60 participants comprised of progressive farm women, students of universities across India and Staff of ICAR- CIWA. As the program was organised in the virtual mode due to the ongoing pandemic, a "Virtual tour of ICAR-CIWA" was screened for the benefit of participants. Also on this occasion a "Virtual Technology Demonstration Mela" was organised for the benefit of the farm women and students. Dr. P. P. Mathur, Chief Guest briefed about the present scenario of Indian research with reference to publication and its impact. He also elaborated the past and current National Science Policy insisting the need of increased budget and private partners in the research field. He advocated the "One Nation One Subscription" for increased access to research material. He congratulated the Institute for undertaking the huge task of working for the underrepresented section of agriculture i.e. the farm women.

International Women's Day (8 March 2021)

International Women's Day was celebrated virtually by ICAR –CIWA on 8 March 2021 under the theme "Women Leadership in Agriculture: Entrepreneurship, Equity and Empowerment".

भा.क.अ.प.-सीआईडल्यए का 26वा स्थापना दिवस (17 फरवरी 2021)

संस्थान में 17 फरवरी 2021 को वर्चुअल प्लेटफार्म के माध्यम से 26वां स्थापना दिवस मनाया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. एस. के. श्रीवास्तव ने सभी महानुभावों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। माननीय उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर. सी. अग्रवाल इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए के स्टाफ को बधाई दी तथा इस तथ्य पर बल दिया कि भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए एक अनूठा संस्थान है इसलिए इसे अपने हितधारकों के प्रति अधिक से अधिक उत्तरदायित्वों का वहन करना चाहिए। मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर संस्थान के अनेक प्रकाशनों का भी विमोचन किया। डॉ. विनीता शर्मा, पूर्व परामर्शक एवं समानता के लिए विज्ञान की प्रमुख, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने स्थापना दिवस व्याख्यान दिया। भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए, भुवनेश्वर की आरएसी के पूर्व अध्यक्ष ने 'पोषण संबंधी कृषि के लिए लिंग संवेदीकरण' विषय पर एक व्याख्यान दिया। डॉ. एम.पी.एस. आर्या, पूर्व निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए को भी इस कार्यक्रम के अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम में गोद लिए गए विभिन्न ग्रामों की खेतिहर महिलाओं ने इस संबंध में अपने अनुभव साझा किए कि उन्हें भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए के सहयोग के माध्यम से किस प्रकार अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हुआ है। निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए ने संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. एम.पी.एस. आर्या और भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए के सफाई एवं रखरखाव स्टाफ को कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान उनके द्वारा की गई अथक सेवा के लिए सम्मानित किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (28 फरवरी 2021)

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान (भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए), भुवनेश्वर द्वारा 28 फरवरी 2021 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस वर्चुअल मोड में मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. पी.पी. माथुर, कुलपति, बिड़ला ग्लोबल विश्वविद्यालय तथा पूर्व कुलपति, केआईआईटी विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम में पूरे भारत से आई प्रगतशील खेतिहर महिलाओं, विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ-साथ भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए के स्टाफ सदस्यों सहित 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। चल रही वैश्विक महामारी के कारण यह कार्यक्रम वर्चुअल मोड में मनाया गया तथा प्रतिभागियों के लाभ के लिए पहली बार 'वर्चुअल ट्यूर ऑफ आईसीएआर-सीआईडब्ल्यूए' फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर खेतिहर महिलाओं और छात्रों के लाभ के लिए प्रथम 'वर्चुअल प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मेला' भी आयोजित हुआ। डॉ. पी.पी. माथुर ने भारतीय अनुसंधान के लिए प्रकाशन तथा इसके प्रभाव के परिप्रेक्ष्य में वर्तमान परिदृश्य के बारे में संक्षेप में बताया। उन्होंने अनुसंधान के क्षेत्र में बजट को बढ़ाने तथा निजी साझेदारों को शामिल करने की आवश्यकता पर बल देते हुए राष्ट्रीय विज्ञान से संबंधित पूर्व तथा वर्तमान नीतियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अनुसंधान सामग्री तक पहुंच को और अधिक बढ़ाने के लिए 'एक राष्ट्र, एक अंशदान' विचारधारा की वकालत की। उन्होंने कृषि में खेतिहर महिलाओं की भूमिका को अभी तक उचित रूप से न दर्शाए जाने की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए इस दिशा में और अधिक कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया।

अतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 माच 2021)

भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए ने 8 मार्च 2021 को 'कृषि में महिला नेतृत्व: उद्यमशीलता, समानता और सशक्तिकरण' विषय पर 8 मार्च 2021 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का वर्चुअल मोड में आयोजन किया गया। निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए, भुवनेश्वर ने 'राष्ट्र को जोड़ने वाली संस्कृति के रूप

Director, ICAR-CIWA, in his address cited "Agriculture as the culture which unites our nation". He emphasised that it is important to improve the decision making ability of farm women through doubling their income in order to make the nation self reliant. He highlighted about the release of a publication compiled and published by ICAR-CIWA entitled "Women Leadership in Agriculture: Entrepreneurship, Equity and Empowerment" by the Honourable Ministers of States for Agriculture and farmers Welfare, Shri Kailash Choudhary and Shri Parshottam Rupala during the International Women's Day celebration of ICAR on 8 March 2021. Mrs. Padmja Bhanu, Founder and MD of Terragreens Organic, Hyderabad was one of the invited speakers in the programme. In her speech, she called the farm women, "Unsung heroes of agriculture sector". She lauded the better position of Odisha in women empowerment owing to its culture and tradition. She detailed about her organisation "Terragreens organic" which strives to revive sustainable agriculture production in India though organic farming. Another progreesive farmer Smt Kavita Umashankar Mishra from Karnataka also shared her transformation from being an Infosys employee to a Sandalwood farmer and fruit cultivator. She suggested to farm women that it is always better to go for integrated farming involving agriculture, horticulture, agroforestry, animal husbandry, and floriculture to reduce the cost of cultivation. Ms Pinaki Parimita, a successful women entrepreneur from Astaranga, Puri, Odisha shared her journey to be an entrepreneur in value added fish products under the guidance and technical backstopping from ICAR-CIWA. She was felicitated by Director ICAR-CIWA.

World Water Day (22 March 2021)

World Water Day was celebrated at ICAR-CIWA on 22 March 2021 on the theme "Valuing water". A series of activities were conducted to celebrate the day involving students/ farm women/ scientists/ administrative/ technical staffs, staffs of 13 AICRP (HS) centres spread across India. A quiz competition was conducted involving students of two schools namely Model public school and Govt. Nodal high school, Baramunda Bhubaneswar following COVID guidelines. Similarly in ICAR CIWA an essay competition was held among staffs member with the theme "Gender mainstreaming in water management". A webinar was organised where about 55 participants actively participated. Dr. Narayan Sahoo, Eminent Expert (Water management) emphasized on the importance rain water harvesting, water conservation structures, global water demand and its solutions, water use efficiency of crops, bonding and gully control structures etc in the projected villages of Odisha. Dr. Deepak Das, Associate Professor, Water and Land Management Institute (WALMI), Bhubaneswar emphasized on water and climate change, future water availability and its solutions to curb the effect of water crisis etc.

में कृषि' का उद्धरण देते हुए अपना संबोधन प्रारंभ किया। उन्होंने इस तथ्य पर बल दिया कि राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किसानों की आय दुगुनी करके खेतिहर महिलाओं की क्षमता के बारे में निर्णय लेना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने भा.कृ.अ.प.-सीआईडल्यूए द्वारा प्रकाशित 'वीमेन लीडरशिप इन एग्रीकल्चर: एंटेरप्रेन्योरशिप, इक्विटी एंड इम्पावरमेंट' शीर्षक के प्रकाशन के बारे में बताया। उल्लेखनीय है कि यह प्रकाशन 8 मार्च 2021 को भा.कृ.अ.प. के अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के दौरान माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी और पुरुषोत्तम रुपाला द्वारा विमोचित किया गया था। टेराग्रीन ऑर्गेनिक, हैदराबाद की संस्थापक और प्रबंध निदेशक श्रीमती पद्मजा भानू को भी इस कार्यक्रम में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। अपने व्याख्यान में उन्होंने खेतिहर महिलाओं को 'कृषि क्षेत्र की ऐसी नायिकाएं बताया जिनकी भूमिका को उचित सम्मान नहीं मिला था'। उन्होंने संस्कृति और परंपरा की दृष्टि से महिला सशक्तिकरण में ओडिशा को और बेहतर स्थिति में लाने की वकालत की। इसके साथ ही उन्होंने अपने संगठन 'टेराग्रीन ऑर्गेनिक' के बारे में भी बताया जो जैविक खेती के माध्यम से भारत में टिकाऊ कृषि उत्पादन को बढ़ाने में अपना योगदान दे रहा है। इस अवसर पर कर्नाटक से आई एक अन्य प्रगतिशील किसान श्रीमती कविता उमाशंकर मिश्रा ने इंफोसिस के एक कर्मचारी के रूप में अपनी जीवनवृत्ति आरंभ करने से लेकर चंदन तथा फलों की खेती करने वाले किसान के रूप मे अपनी जीविका यात्रा के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने खेतिहर महिलाओं को यह सुझाव दिया कि उन्हें कृषि, बागवानी, कृषि वानिकी, पशुपालन तथा पुष्पों की खेती को शामिल करते हुए समेकित खेती को अपनाएं, ताकि खेती की लागत कम हो सके। अष्टरंगा, पुरी, ओडिशा से आई सफल महिला उद्यमी सुश्री पिनाकी पर्मिता ने भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए से प्राप्त हुए मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता के माध्यम से मूल्यवर्धित मछली उत्पादों की एक उद्यमी बनने की यात्रा के अपने अनुभवों के बारे में बताया। उन्हें संस्थान के निदेशक द्वारा सम्मानित भी किया गया।

विश्व जल दिवस (22 माच 2021)

भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए में 22 मार्च 2021 को 'जल का मूल्य' विषय पर विश्व जल दिवस का आयोजन किया गया। छात्रों/खेतिहर महिलाओं/प्रशासनिक/ तकनीकी स्टाफ, पूरे भारत में फैले 13 एआईसीआरपी (एचएस) केन्द्रों के स्टाफ को शामिल करते हुए यह दिवस मनाने के लिए अनेक गतिविधियों का आयोजन हुआ। दो विद्यालयों नामत: मॉडल पब्लिक स्कूल और शासकीय नोडल हाईस्कूल, बारामुंडा, भुवनेश्वर के छात्रो को शामिल करके कोविड दिशानिर्देशों का पालन करते हुए एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसी प्रकार, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए में 'जल प्रबंधन में लिंग मुख्य धारा' शीर्षक के अंतर्गत संस्थान के स्टाफ सदस्यों के बीच निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसी प्रकार, एक वेबिनार भी आयोजित की गई जिसमें 55 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ. नारायण साहू, प्रतिष्ठित विशेषज्ञ (जल प्रबंधन) ने वर्षाजल संग्रहण, जल संरक्षण की संरचनाओं, जल की वैश्विक मांग और इसकी पूर्ति के लिए उपलब्ध हलों, फसलों की जल उपयोग दक्षता, बांध बनाना तथा अपर्दन नियंत्रित करने की संरचनाओं आदि के महत्व के बारे में बताया। यह वेबिनार ओडिशा के परियोजना के अंतर्गत आने वाले गांवों में भी प्रसारित की गई। डॉ. दीपक दास, एसोसिएट प्राध्यापक, जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान (वालमी), भुवनेश्वर ने जल एवं जलवायु परिवर्तन,भविष्य में जल की उपलब्धता तथा जल की कमी के कारण पड़ने वाले प्रभावों को नियंत्रित करने जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए।

TRAINING/ EXTENSION ACTIVITIES/ OUTREACH ACTIVITIES/ TECHNOLOGY TRANSFER

HRD Webinar on "Effective Health Management for Enhancing Work Efficiency of Employees"

A Webinar on "Effective Health Management for Enhancing Work Efficiency of Employees" was organized by ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA), Bhubaneswar on 20 November, 2020. The event was organized as suggested by the HRM Unit of ICAR. The Chief Guest of the programme, Dr. P. S. Pandey, ADG (EP&HS), ICAR, New Delhi delivered the Key Note Address on this occasion. He very much appreciated the title of the programme itself, every word of this title, coined by the HRM Unit of ICAR, which signifies the need of hour in the present pandemic scenario. He also highlighted about the role of yoga in maintaining good health and its penetration in our daily life.

To contain the spread of COVID-19 Pandemic and maintain the work efficiency of employees, this online training programme on "Effective Health Management for Enhancing Work Efficiency of Employees" for all the categories of employees was organised with the objective to acquaint the participants to manage health so as to discharge duties more effectively and efficiently in this pandemic situation. Eminent resource persons shared their wisdom during the webinar covering the following aspects of health management.

Resource Person	Topic
Dr. Arunangshu Debnath Former Chief Medical Officer ICAR-NAARM, Hyderabad	Physical Health Management for Enhancing Work Efficiency during Covid Pandemic
Dr. S. K. Srivastava Director, ICAR-CIWA, Bhubaneswar	Immunity Building to Tackle the Pandemic- Experience Sharing
Dr. A. K. Panda Pr. Scientist, ICAR-CIWA, Bhubaneswar	Food and Nutrition for Sound Health
Dr. Soumya Ranjan Dash Consultant Neuropsychiatrist IMS & SUM Hospital, Bhubaneswar	Managing Stress during Covid Pandemic
Dr. Trishna Devarajan Medical Director Yoga Wellness Clinic, Trivandrum	Naturopathy for Prevention of Communicable and Non-communicable Diseases during Pandemic

प्रशिक्षण/ विस्तार गतिविधिया/ आउटरीच गतिविधिया/ प्रौद्योगिकी हस्तातरण

'कर्मचारियों की कार्य दक्षता बढ़ाने के लिए प्रभावी स्वास्थ्य प्रबंधन' मानव संसाधन विकास (एचआरडी) वेबिनार

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान (भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए), भुवनेश्वर में 20 नवम्बर 2020 को 'कर्मचारियों की कार्य दक्षता बढ़ाने के लिए प्रभावी स्वास्थ्य प्रबंधन' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन हुआ। इसका आयोजन भा.कृ.अ.प. की एचआरएम इकाई के सुझाव पर किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. पी.एस. पाण्डे, सहायक महानिदेशक (ईपी और एचएस), भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली ने इस अवसर पर प्रमुख व्यख्यान दिया। उन्होंने कार्यक्रम के शीर्षक की सराहना करते हुए कहा कि इस शीर्षक का प्रत्येक शब्द भा.कृ.अ.प. की एचआरएम इकाई द्वारा गढ़ा गया है जो वर्तमान वैश्विक महामारी के परिदृश्य में वर्तमान समय की आवश्यकता को रेखांकित करता है। उन्होंने हमारे दैनिक जीवन में श्रेष्ठ स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए योग की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

उनका कहना था कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रसार को रोकने और कर्मचारियों की कार्यदक्षता को बनाए रखने के लिए 'कर्मचारियों की कार्यदक्षता बढ़ाने के लिए प्रभावी स्वास्थ्य प्रबंधन' पर यह ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम सभी श्रेणी के कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया है जिसका उद्देश्य इस वैश्विक महामारी की स्थिति में कर्तव्यों का और अधिक प्रभावी ढंग से व कुशलता से निर्वाह करने के लिए स्वास्थ्य प्रबंधन के प्रति कर्मचारियों को अवगत कराया जा सके। इस वेबिनार के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों ने अपने बुद्धिमत्तापूर्ण विचार साझा किए और इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य प्रबंधन के निम्नलिखित पहलुओं पर चर्चा हुई:

रिसोस पसन	शीषक
डॉ. अरूणांघसू देबनाथ पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी भा.कृ.अ.प.-नार्म, हैदराबाद	कोविड वैश्विक महामारी के दौरान कार्यदक्षता बढ़ाने के लिए शारीरिक स्वास्थ्य प्रबंधन
डॉ. एस.के. श्रीवास्तव निदेशक, भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर	वैश्विक महामारी से निपटने के लिए रोगरोधिता निर्मित करना –अनुभव की साझेदारी
डॉ. ए.के. पांडा, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर	ठोस स्वास्थ्य के लिए खाद्य एवं पोषण
डॉ. सौम्य रंजन दाश परामर्शक, तंत्रिका मनोचिकित्सक आईएमएस और एसयूएम अस्पताल, भुवनेश्वर	कोविड वैश्विक महामारी के दौरान तनाव प्रबंधन
डॉ. तृष्णा देवराजन चिकित्सा निदेशक योगा आरोग्य क्लिनिक, तिरुअनंतपुरम	वैश्विक महामारी के दौरान सम्पर्कशील एवं अ-संपर्कशील रोगों से बचाव के लिए प्राकृतिक चिकित्सा

All the Staff members including Scientific, Technical and Administrative cadres of ICAR-CIWA and Scientists from AICRP on Home Science Centres from 12 States participated in the programme.

इस कार्यक्रम में भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए के वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रशासनिक स्टाफ सहित सभी स्टाफ सदस्यों तथा 12 राज्यों के गृह विज्ञान पर एआईसीआरपी के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

Internship to students

Under the MoU between ICAR-CIWA and Centurion University of Technology and Management (CUTM), Paralekhmundi, Ganjam Odisha, 2 students of Bachelor of Fisheries Science (BFSc) were given a 10 weeks Internship programme at ICAR-CIWA from 26 October 2020 to 2 January 2021. The students were given hands on training on preparation of value added products like fish pickle, fish cutlet and fish pappad. They were also trained on the proximate and quality analysis of the value added products. Fish silage based organic manure was also prepared by the students as a part of the internship programme. The students were also trained on the scientific aquaculture management practices like water quality management and feed formulation. They actively took part in the stocking and maintenance of aquaculture demonstration unit and ornamental fish demonstration unit in ICAR-CIWA. Designing and development of a low cost filtration unit for the ornamental fish demonstration unit and Aquaponics unit was done by the students. The students who completed internship in Fish Processing Technology were guided/mentored by Dr Tanuja S, Scientist (Fish Processing Technology). They were given e-Cerificates and a revenue of ₹ 20000/- was earned by ICAR-CIWA by imparting the internship programme.

छात्रों की इटनशिप

भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए तथा सेंचुरियन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (सीयूटीएम), पारालेखमुंडी, गंजम, ओडिशा के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अंतर्गत मात्स्यकी विज्ञान के स्नातक (बीएफएससी) की उपाधि के लिए अध्ययनरत दो छात्रों को 26 अक्टूबर 2020 से 2 जनवरी 2021 तक भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए ने 10 सप्ताह का इंटर्नशिप कार्यक्रम उपलब्ध कराया गया। इन छात्रों को मछलियों के मूल्यवर्धित उत्पाद जैसे मछली का अचार, मछली कटलेट और मछली पापड़ तैयार करने का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण दिया गया। उन्हें मूल्यवर्धित उत्पादों के गुणवत्ता विश्लेषण पर भी प्रशिक्षित किया गया। इंटर्नशिप कार्यक्रम के एक भाग के रूप में छात्रों ने मछली साइलेज पर आधारित जैविक खाद ही तैयार की। छात्रों को वैज्ञानिक जलजंतुपालन प्रबंधन संबंधी विधियों जैसे जल की गुणवत्ता का प्रबंधन और आहार सूत्रण पर भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्होंने भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए की जलजंतुपालन प्रदर्शन इकाई तथा शोभाकारी मछली प्रदर्शन इकाई के स्टॉकिंग और रखरखाव पर भी सक्रिय रूप से भाग लिया। छात्रों द्वारा शोभाकारी मछली प्रदर्शन इकाई और एक्वापोनिक्स इकाई के लिए कम लागत की स्यंजन या छनन इकाइयों का डिजाइन तैयार करके उन्हें विकसित किया। जिन छात्रों ने मत्स्य प्रसंस्करण प्रोद्योगिकी में इंटर्नशिप पूरी की थी, उनका मार्गदर्शन/निदेशन डॉ. तनुजा एस., वैज्ञानिक (मत्स्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी) ने किया था। छात्रों को ई-प्रमाण पत्र देने के अलावा इंटर्नशिप कार्यक्रम में भाग लेकर अर्जित की गई 20,000 रुपये की राशि भी भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए के द्वारा प्रदान की गई।

Webinar on 'Farmers Producer Organization in Livelihood Enhancement of Farm Women'

ICAR-CIWA organized Virtual Webinar on 'Farmers Producer Organization (FPO) in Livelihood Enhancement of Farm Women' on 18 November, 2020. Dr. P. S. Pandey, ADG (EP&HS), ICAR, New Delhi graced the programme as Chief Guest. He highlighted on the genesis of the FPOs, the need to increase the

'खतिहर महिलाओ की आजीविका वद्धि म कषक उत्पादक सगठन' पर वबिनार

भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए द्वारा 18 नवम्बर 2020 को 'खेतिहर महिलाओं की आजीविका वृद्धि के लिए कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ)' विषय पर वर्चुअल वेबिनार आयोजित किया गया। डॉ. पी.एस. पाण्डे, सहायक महानिदेशक(ईपी और एचएस), भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्होंने एफपीओ की सृजन संकल्पना,

present number of women cooperatives. Dr. S. K. Srivastava, Director, highlighted the need for being vocal for local. In this context he expressed the need for providing meaningful solution to the problem of marketing through e-NAM. On the occasion, Dr. Surekha Routray, Head, Social Incubation, KIIT-TBI, in her deliberation focussed on sustainability of FPOs, opportunities for women and new developments in agri business while Dr. Khitish Kumar Sarangi, Asstt. Prof., Agril. Economics, OUAT apprised the participants on the genesis, laws, formation and registration procedure of FPOs. An interaction session was held to answer the queries of the farm women by the experts. About 95 participants had attended the programme virtually from different corners of rural Odisha.

National Webinar on 'Evolving Livelihoods for Women in Post Harvest Fisheries: Approaches, Policies and Institutional Support'

A National Webinar on "Evolving livelihoods for women in post harvest fisheries: approaches, policies and institutional support" was organized by ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar on 14 December 2020. Dr. R. C. Agrawal, DDG, Agricultural Education, ICAR graced the occasion as the Chief Guest. In his address, he complimented the Institute's efforts in organising the important webinar and stressed upon the importance of completeness of technology in terms of its widespread adoption and upscaling. Guest of Honour of the Day, Dr. P. S. Pandey, ADG (EP&HS), ICAR highlighted the importance of fisheries in meeting the Sustainable Development Goals. He discussed about the plethora of government programmes and initiatives that exists for empowering women in fisheries. In his opening remarks, Dr. S. K. Srivastava, Director ICAR-CIWA briefed about the importance of women in fisheries and the need to mainstream them through various policies and programmes. The key note speech on Impact of COVID 19 Pandemic on the Economies and Livelihoods Dependent on Fisheries was delivered by Dr. C. N. Ravishankar, Director, ICAR-CIFT, Kochi, Kerala. He highlighted the technologies of ICAR-CIFT and how these technologies should be utilised for developing women entrepreneurship. Other eminent speakers from different ICAR institutes viz., ICAR-CIFE, Mumbai, ICAR-CMFRI, Kochi, ICAR-CIFT- Kochi delivered talks on relevant topics. The webinar was attended by over 70 participants which included scientists, academicians, scholars and students from different ICAR institutes and SAU's.

महिला सहकारिताओं की वर्तमान संख्या को बढ़ाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए ने 'वोकल फार लोकल' लोकल' की आवश्यकता पर बल दिया। इस संदर्भ में उन्होंने ई-नाम के माध्यम से विपणन संबंधी समस्याओं के सार्थक हल उपलब्ध कराने की आवश्यकता अनुभव की। इस अवसर पर डॉ. सुरेखा राउत्रे, अध्यक्ष, सोशल इंक्यूबेशन, केआईआईटी-टीबीआई ने एफपीओ के टिकाऊपन, महिलाओं के लिए उपलब्ध अवसरों तथा कृषि व्यापार में नए क्षेत्रों के विकास पर ध्यान केन्द्रित किया तथा डॉ. क्षितिज कुमार सारंग, सहायक प्राध्यापक, कृषि अर्थशास्त्र, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने एफपीओ की संकल्पना, नियमों, निर्माण तथा पंजीकरण प्रक्रिया से प्रतिभागियों को अवगत कराया। एक परिचर्चा सत्र में विशेषज्ञों द्वारा खेतिहर महिलाओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए और उनकी शंकाओं का समाधान किया गया। इस कार्यक्रम में ओडिशा के ग्रामों के विभिन्न भागों से लगभग 95 प्रतिभागियों ने वर्चुअल मोड में भाग लिया।

'सस्योत्तर मात्स्यिकी म महिलाओ क लिए आजीविकाओ का विकास : दृष्टिकोण, नीतिया एव सस्थागत सहायता' पर राष्ट्रीय वबिनार

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा 14 दिसम्बर 2020 को ' सस्योत्तर मात्स्यिकी में महिलाओं के लिए आजीविकाओं का विकास: दृष्टिकोण, नीतियां एवं संस्थागत सहायता' विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। डॉ. आर.सी. अग्रवाल, उप महानिदेशक(कृषि शिक्षा), भा.कृ.अ.प. ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई। अपने व्याख्यान में उन्होंने महत्वपूर्ण वेबिनार आयोजित करने में संस्थान के प्रयासों के लिए बधाई दी तथा प्रौद्योगिकी की सम्पूर्णता तथा इसके व्यापक अनुकूलन और परिस्थिति अनुकूल बनाने की शर्तों को निर्धारित करने पर बल दिया। समारोह के सम्मानीय अतिथि डॉ. पी.एस. पाण्डे, सहायक महानिदेशक (ईपी और एचएस), भा.कृ.अ.प. ने टिकाऊ विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मात्स्यिकी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सरकार के ऐसे अनेक कार्यक्रमों और पहलों के बारे में चर्चा की जो मात्स्यिकी में महिला सशक्तिकरण के लिए तैयार किए गए हैं और चलाए जा रहे हैं। अपनी आरंभिक टिप्पणी में संस्थान के निदेशक डॉ. एस.के. श्रीवास्तव ने मात्स्यिकी में महिलाओं के महत्व तथा विभिन्न नीतियों तथा कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें मुख्य धारा में लाने के महत्व के बारे में संक्षेप में बताया। कोविड 19 महामारी के मात्स्यकी पर निर्भर आजीविका तथा इसके अर्थशास्त्र पर पड़ने वाले प्रभाव से संबंधित प्रमुख व्याख्यान डॉ. सी.एन. रविशंकर, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईएफटी, कोच्चि, केरल ने दिया। उन्होंने भा.कृ.अ.प., सीआईएफटी की प्रौद्योगिकियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार इन प्रौद्योगिकियों का उपयोग महिला उद्यमशीलता के विकास में किया जाना चाहिए। भा.कृ.अ.प. के विभिन्न संस्थानों जैसे भा.कृ.अ.प.-सीआईएफई, मुम्बई; भा.कृ.अ.प.-सीएमएफआरआई,कोच्चि; भा.कृ.अ.प.-सीआईएफटी, कोच्चि के विशेषज्ञों ने संबंधित विषयों पर वार्ताएं प्रस्तुत कीं। इस वेबिनार में 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें भा.कृ.अ.प. के विभिन्न संस्थानों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक, शिक्षाविद, विद्वान और छात्र शामिल थे।

Collaborative Virtual Training Programme on 'Integrating Gender Concerns in Agricultural Research and Extension for Improving Livelihood of Farm Women' Organized by ICAR-CIWA and MANAGE

A training programme was organized in virtual mode by ICAR-CIWA in collaboration with MANAGE, Hyderabad from 23 to 27 February 2021 to sensitize the scientific and extension personnel working in the field of agricultural research and development. The inauguration of training programme was graced by Dr. P. Chandra Shekara, Director General, MANAGE, Hyderbad as Special Invitee. Director ICAR-CIWA in his introductory remarks also stressed upon the need for development of women entrepreneurship, marketing skill, sustainable livelihood, decrease in vulnerability and government policies for women empowerment. Dr. Veenita Kumari, Deputy Director, Gender Studies, MANAGE, Hyderabad welcomed the dignitaries and she highlighted the role of FPO for women empowerment. The training was attended by 56 participants of various disciplines from 17 states of India including 37 men and 19 women. The experts were drawn from the Institute as well as other organizations like NIRD, Hydarabad, MANAGE, Hyderabad, National Law University of Odisha, Cuttack, KIIT University, Bhubaneswar, ICAR-CIFE, ICAR-NRRI and ICAR-CMFRI. The speakers covered the fundamental concepts to understand the gender, the status of women in agriculture and allied activities, tools for gender analysis, data collection, planning and policy making, work place health hazards, gender in farm mechanization, improving livelihood through agriculture and allied sectors like animal husbandry and fisheries, entrepreneurship development, value-chain, gender budgeting, ICT for gender equality, seed production, etc.

Workshop on "Improved Package of Practices of Vegetable Crops and Farm Mechanization"

A one day Training-cum-Workshop on "Improved Package of Practices of Vegetable Crops and Farm Mechanization" under ICAR-NASF project was organized by ICAR-CIWA, Bhubaneswar on 10 March, 2021 in Sankilo village of Nischintakoili block, Cuttack district, Odisha. The Training-cum-Workshop was attended by about 70 participants including scientists of ICAR-CIWA, farm women, farmers, representatives from NGO, mass media like Doordarshan, DD-Krushi Darshan and officers from line departments of Government of Odisha. At the outset, Dr. Lipi Das Principal Scientist (Agril. Extension) and PI of the Project described about objective of the project to empower the farm women based on 'SHEET' Module

भा.क.अ.प.-सीआईडब्ल्यए और 'मनज' द्वारा 'खतिहर महिलाओ की आजीविका क सधार क लिए कषि अनसधान एव विस्तार न समकित लिग सबधी मद्द' विषय पर सयक्त रूप स आयोजित वचअल प्रशिक्षण कायक्रम

कृषि अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिक एवं विस्तार कार्मिकों को प्रेरित करने के लिए भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए द्वारा 'मैनेज' हैदराबाद के सहयोग से 23 से 27 फरवरी 2021 को वर्चुअल मोड में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. पी. चन्द्रशेखर, महानिदेशक, 'मैनेज' हैदराबाद ने किया जिन्हें मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। संस्थान के निदेशक महोदय ने अपने परिचयात्मक भाषण में महिला उद्यमशीलता का विकास, विपणन कौशल, टिकाऊ आजीविका, महिला सशक्तिकरण के प्रति संवेदनशीलता में कमी तथा महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार की नीतियों की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. वीनिता कुमारी, उप निदेशक, लिंग अध्ययन, 'मैनेज' हैदराबाद में प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित महानुभावों का स्वागत किया तथा महिला सशक्तिकरण में एफपीओ की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 35 पुरुषों और 19 महिलाओं सहित भारत के 17 राज्यों से आए विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के लिए विशेषज्ञों को भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए के अलावा अन्य संगठनों जैसे एनआईआरडी, हैदराबाद, 'मैनेज', हैदराबाद, ओडिशा के राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, भा.कृ.अ.प.-सीआईएफई, भा.कृ.अ.प.-एनआरआरआई और भा.कृ.अ.प.-सीएफआरआई से चुना गया था। सभी वक्ताओं ने मूलभूत संकल्पनाओं पर प्रशिक्षण दिया, ताकि कृषि तथा सम्बद्ध गतिविधियों में रत महिलाओं की स्थिति, लिंग, लिंग विश्लेषण के लिए युक्तियों, आंकड़ा संकलन, नियोजन और नीति-निर्माण, कार्यस्थल पर स्वास्थ्य संबंधी संकट, फार्म यंत्रीकरण में लिंग संबंधी पहलू, कृषि और सम्बद्ध क्षेत्रों जैसे पशुपालन और मात्स्यकी के माध्यम से आजीविका में सुधार, उद्यमशीलता के विकास, मूल्य श्रृंखला, लिंग बजटीकरण, लिंग समानता के लिए आईसीटी, बीजोत्पादन आदि जैसे विषयों को समझा जा सके।

"सब्जी फसलों तथा फाम यत्रीकरण की उन्नत कषि विधियों क पकज" पर कायशाला

भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर द्वारा ओडिशा के कटक जिले के निश्चंताकोइली ब्लॉक के सांकिलो गांव में 10 मार्च 2021 को भा.कृ.अ.प.-एनएएसएफ परियोजना के अंतर्गत 'सब्जी फसलों तथा फार्म यंत्रीकरण की उन्नत कृषि विधियों के पैकेज' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण व कार्यशाला में भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए के वैज्ञानिकों, खेतिहर महिलाओं, स्वयं सेवी संगठनों के प्रतिनिधियों, दूरदर्शन, डीडी-किसान दर्शन जैसे मास मीडिया तथा ओडिशा सरकार के संबंधित विभागों के अधिकारियों सहित लगभग 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आरंभ में डॉ. लिपि दास, प्रधान वैज्ञानिक (कृषि विस्तार) और परियोजना की प्रधान अन्वेषक ने 'शीट' मॉड्यूल अर्थात् सामाजिक, स्वास्थ्य एवं पोषण, पर्यावरण, आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी पहलुओं पर आधारित खेतिहर महिलाओं के सशक्तिकरण

i.e., Social, Health and Nutrition, Environment, Economic and Technological aspects. Dr. Ankita Sahu, Scientist, Horticulture highlighted about improved package of practices of vegetable cultivation for livelihood enhancement. Dr. Praveen Jakhar, Senior Scientist, Agronomy stressed about improved package of practices of Black Gram cultivation. Dr. Biswanath Sahoo, Principal Scientist, Animal Nutrition explained about livelihood security and economic empowerment of women farmers through dairy farming. The Block Veterinary Officer, Livestock Inspector, Block Technical Manager, SMS Horticulture Department, KVK Cuttack also discussed various aspects for livelihood security of farm women. The workshop was followed by demonstration and distribution of women friendly farm tools, equipment, improved variety of Ivy gourd cuttings, Mineral mixture etc. The programme was covered by the Doordarshan, DD-Krushi Darshan for wide publicity.

National Webinar organized on "Partnering Women in Value Chain Development : A Promising Way for Creating Sustained Livelihood and Agripreneurship"

A national webinar on "Partnering Women in Value Chain Development : A Promising Way for Creating Sustained Livelihood and Agripreneurship" was organized by ICAR-CIWA, Bhubaneswar on 17 March, 2021 through virtual platform. The programme was attended by about 130 participants including scientists, technocrats, research and extension personnel and students from ICAR institutes, SAUs, state govt. officials across the nation. Dr. S. K. Srivastava, Director ICAR-CIWA, in his address emphasized developing strategic approach for enhancing the income of farm women through analysis of existing value chain and need based intervention in agriculture and allied sectors. Dr. S. K. Dwivedi, Director, DRL(DRDO), delivered his key note speech on "Value addition of horticultural crops especially fruits and urged the youth for women entrepreneurship through ITK based technologies. Dr. R. N. Padaria, Pr. Scientist, ICAR-IARI, delivered lecture on opportunities and challenges in agriculture extension and various extension models and social learning practices for development of women entrepreneurship. Dr. A. K. Singh, Pr. Scientist, ICAR-NDRI, Karnal discussed on strategic approaches for strengthening small holder enterprises through Dairy value chain development and various dairy value added products. Dr. A. K. Dixit, Pr. Scientist, ICAR-CIRG, Makhdoom delivered talk on goat value chain development for sustainable livelihood security and women entrepreneurship in which he emphasized upon small holder farmers, SHGs, FPOs for effective

पर चल रही परियोजना के उद्देश्यों के बारे में बताया। डॉ. अंकित साहू, वैज्ञानिक, बागवानी ने आजीविका में वृद्धि के लिए सब्जियों की खेती की सस्यविज्ञानी विधियों के उन्नत पैकेज पर प्रकाश डाला, डॉ. प्रवीण जाखड़, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सस्यविज्ञान ने उड़द की खेती की उन्नत विधियों के पैकेज को अपनाने पर बल दिया। डॉ. विश्वनाथ साहू, प्रधान वैज्ञानिक, पशु पोषण ने डेरी पालन के माध्यम से खेतिहर महिलाओं की आजीविका सुरक्षा तथा आर्थिक सशक्तिकरण के बारे में विस्तार से बताया। खंड पशुचिकित्सा अधिकारी, पशुधन निरीक्षक, खंड तकनीकी प्रबंधक, विषय-वस्तु विशेषज्ञ या एफएमएस बागवानी विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, कटक के विषय-वस्तु विशेषज्ञ ने खेतिहर महिलाओं की आजीविका सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। कार्यशाला के पश्चात महिलाओं के लिए अनुकूल खेती संबंधी औजारों, उपकरणों, परवल की कलमों की उन्नत किस्म, खनिज मिश्रण आदि जैसे विषयों पर प्रदर्शन किए गए तथा खेतिहर महिलाओं को खेती संबंधी औजार एवं उपकरण भी बांटे गए। व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए इस कार्यक्रम को दूरदर्शन/डीडी-कृषि दर्शन द्वारा भी प्रसारित किया गया।

"मल्य श्रखला विकास म महिलाए: टिकाऊ आजीविका और कषि उद्यमशीलता सजित करन का एक आशाजनक उपाय" पर राष्ट्रीय वबिनार का आयोजन

भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर द्वारा 17 मार्च 2021 को 'मूल्य श्रृंखला विकास में महिलाएं: टिकाऊ आजीविका और कृषि उद्यमशीलता सृजित करने का एक आशाजनक उपाय' विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का अयोजन वर्चुअल प्लेटफार्म के माध्यम से किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 130 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें देशभर के भा.कृ.अ.प. के विभिन्न संस्थानों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से आए वैज्ञानिकों, तकनीकीविदों, अनुसंधान एवं विस्तार कार्मिकों तथा राज्य सरकार के विभिन्न अधिकारियों सहित लगभग 130 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए ने अपने भाषण में कृषि और संबंधित क्षेत्रों ने विद्यमान मूल्य श्रृंखला के विश्लेषण तथा आवश्यकता आधारित हस्तक्षेपों के माध्यम से खेतिहर महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए कार्यनीतिपरक दृष्टिकोण के विकास पर बल दिया। डॉ. एस.के. द्विवेदी, निदेशक, डीआरएल (डीआरडीओ) ने बागवानी फसलों, विशेष रूप से फलों के मूल्यवर्धन पर अपना प्रमुख व्याख्यान दिया तथा युवाओं से यह अनुरोध किया कि वे आईटी के आधारित प्राद्योगिकियों के माध्यम से महिलाओं में उद्यमशीलता को बढ़ाने के लिए अपना योगदान दें। डॉ. आर.एन. पडारिया, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प.-आईएआरआई ने महिलाओं की उद्यमशीलता के विकास के लिए कृषि विस्तार तथा विस्तार के विभिन्न मॉडलों और सामाजिक अधिगम की विधियों में उपलब्ध अवसरों और आने वाली चुनौतियों पर व्याख्यान दिया। डॉ. ए.के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प.-एनडीआरआई, करनाल ने डेयरी मूल्य श्रृंखला के विकास तथा विभिन्न मूल्यवर्धित डेरी उत्पादों के माध्यम से छोटे डेरी पालकों के उद्यम को सबल बनाने के लिए कार्यनीतिपरक दृष्टिकोणों पर चर्चा की। डॉ. ए.के. दीक्षित, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प.-सीआईआरजी, मखदूम ने टिकाऊ आजीविका सुरक्षा और महिला उद्यमशीलता के लिए बकरी मूल्य श्रृंखला के विकास पर वार्ता प्रस्तुत की जिसमें उन्होंने बकरी पालन में

entrepreneurship in goat farming. Smt. Krishna Yadav, Proprietor of Krishna Pickles Pvt. Ltd shared her journey as a successful entrepreneur under the technical back stopping by ICAR-IARI.

National Webinar on "Nutritional Security: Challenges & Opportunities on Gender Sensitive Agriculture"

A National Webinar on "Nutritional Security: Challenges & Opportunities on Gender Sensitive Agriculture" was organized by ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar on 25 March, 2021. Dr. R. C. Agrawal, DDG, Agricultural Education, ICAR was the Chief Guest of the occasion. Guest of Honour of the Day, Dr. Archana Mukherjee, Former Director, ICAR-CTCRI, Thiruvananthapuram highlighted the importance of nutritional security, product diversification and multidisciplinary approach to bring about gender sensitive agriculture. In his opening remarks, Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA briefed about the importance of balanced nutritional diet for women. The key note speech on 'Opportunities, status and policies to promote nutrition sensitive agriculture for gender empowerment' was delivered by Dr. Jatinder Kishtwaria, Former Director, ICAR-CIWA & ICAR-Emeritus Professor, CSKHPKV, Palampur. She threw light on the present scenario of nutrition status of Indian women and highlighted the strategies to make linkages between nutrition and gender sensitive agriculture. Dr. Bikash Das, Principal Scientist, ICAR-RCER, Farming System Plateau Research Centre for Hill and Region, Ranchi, Jharkhand delivered the talk on 'Mitigating malnutrition through gender inclusive agriculture'. Dr. Shyam Raj Singh, Principal Scientist, ICAR-CISH, Lucknow in his lecture on 'Gender sensitive modern horticultural techniques for augmenting income of farm women' detailed about the recent interventions like vertical farming, roof-top gardening, hydroponics, aeroponics system through which women of peri-urban and urban area can develop start-up. Dr. Ranjeet Singh, Principal Scientist & PI of the Agribusiness Incubation Centre, ICAR-CIPHET, Ludhiana delivered the talk on 'Women entrepreneurship through post-harvest value addition'. The webinar was attended by more than 100 participants included scientists, academicians, scholars and students from different ICAR institutes and SAU's.

Pre-Kharif Rice Workshop & Skill Upgradation Programme on Paddy Straw Mushroom Cultivation

A one day Workshop on "Pre-Kharif Rice Workshop & Skill Upgradation Programme on Paddy Straw Mushroom Cultivation" under ICAR-NASF project was organized by ICAR-CIWA, Bhubaneswar on 27 March, 2021 in Sankilo

प्रभावी उद्यमशीलता में छोटी जोत वाले किसानों, स्वयं सहायता समूहों, कृषक उत्पादक संगठनों की भूमिका पर बल दिया। कृष्णा पिकल्स प्राइवेट लिमिटेड की स्वामी श्रीमती कृष्णा यादव ने भा.कृ.अ.प.-आईएआरआई द्वारा प्रदान की गई तकनीकी सहायता के अंतर्गत एक सफल उद्यमी बनने की अपनी यात्रा के अनुभव साझा किए।

'पोषणिक सरक्षा:लिग सवदी कषि की चनौतिया और अवसर' पर राष्ट्रीय वबिनार

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा 25 मार्च 2021 को ''पोषणिक सुरक्षा:लिंग संवेदी कृषि की चुनौतियां और अवसर' पर एक राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। डॉ. आर.सी.अग्रवाल, उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), भा.कृ.अ.प. इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। डॉ. अर्चना मुखर्जी, पूर्व निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीटीसीआरआई, तिरुअनंतपुरम सम्मानीय अतिथि थीं। उन्होंने लिंग संवेदी कृषि को लाने के लिए पोषणिक सुरक्षा, उत्पाद विविधीकरण और बहुविषयी दृष्टिकोण के महत्व पर प्रकाश डाला। अपनी आरंभिक टिप्पणी में डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए ने महिलाओं के लिए संतुलित पोषण युक्त आहार के महत्व के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। डॉ. जतीन्द्र किस्तवारिया, पूर्व निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए और भा.कृ.अ.प.-सेवानिवृत्त प्राध्यापक, सीएसकेएचपीकेवी, पालमपुरन ने 'लिंग सशक्तिकरण के लिए पोषण संबंधी कृषि को बढ़ावा देने से संबंधित अवसर, स्थिति और नीतियां' विषय पर प्रमुख व्याख्यान दिया। उन्होंने भारतीय महिलाओं की पोषणिक स्थिति के वर्तमान परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए उन कार्यनीतियों का विवरण दिया जिनसे पोषण तथा लिंग संवेदी कृषि के बीच सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। डॉ. बिकाश दास, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प.-आरसीईआर, पर्वतीय क्षेत्र के लिए फार्मिंग प्रणाली पठार अनुसंधान केन्द्र, रांची, झारखंड ने 'लिंग समग्र कृषि के माध्यम से कुपोषण से निपटना' विषय पर एक वार्ता प्रस्तुत की। डॉ. श्याम राज सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प.-सीआईएसएच, लखनऊ ने खेतिहर महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए लिंग संवेदी आधुनिक बागवानी तकनीकें' विषय पर व्याख्यान दिया। अपने इस व्याख्यान में उन्होंने लम्बवत खेती, घरों की छत पर वाटिका लगाने, हाइड्रोपोनिक्स, ऐरोपोनिक्स प्रणाली आदि के माध्यम से खेतिहर महिलाओं की आय बढ़ाने के संबंध में बताया और स्पष्ट किया कि इन तकनीकों से परिनगरीय तथा नगरीय क्षेत्र की महिलाएं अपने स्टार्ट-अप शुरू कर सकती हैं। डॉ. रंजीत सिंह, प्रधान वैज्ञानिक तथा कृषि व्यापार इन्क्यूबेशन केन्द्र के प्रधान अन्वेषक, भा.कृ.अ.प.-सीआईपीएचयूटी, लुधियाना ने 'सस्योत्तर मूल्यवर्धन के माध्यम से महिला उद्यमशीलता' विषय पर एक वार्ता प्रस्तुत की। इस वेबिनार में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें भा.कृ.अ.प. के विभिन्न संस्थानों तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक, शिक्षाविद, विद्वान तथा छात्र शामिल थे।

'धान क पआल पर खम्बी की खती पर खरीफ-पव चावल कायशाला तथा कौशल उन्नयन' कायक्रम

भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर द्वारा 27 मार्च 2021 को भा.कृ.अ.प.-एनएएसएफ परियोजना के अंतर्गत 'धान के पुआल पर खुम्बी की खेती पर खरीफ-पूर्व चावल कार्यशाला तथा कौशल उन्नयन' विषय

village of Nischintakoili block, Cuttack district, Odisha. The Workshop was attended by 70 participants including scientists of ICAR-CIWA, farm women, representatives from mass media like Doordarshan, DD-Krishi Darshan, Retd. District Agriculture Officer and Secretary of Nigam, NGO. At the outset Dr. Lipi Das Principal Scientist & Project Investigator briefed up about the importance of rice cultivation, preparation of value added products from rice and mushroom cultivation in Gender Sensitive Farming System Model for addressing Livelihood, Nutrition and Entrepreneurship of farm women. Dr. S.K. Mishra, Principal Scientist ICAR-NRRI, Cuttack described about the improved package of practices of rice cultivation, cultivation of climate smart varieties and protein rich varieties of rice. Dr. P. Jakhar, Senior Scientist highlighted about improved package of practices of rice cultivation. Also the improved package of practices of vegetable cultivation was discussed by Dr. Ankita Sahu, Scientist. Dr. Biswanath Sahoo, Principal Scientist explained about livelihood security and economic empowerment of women farmers through dairy farming. Mr. Suresh Ch. Jena, Retd. District Agriculture officer also discussed various aspects for livelihood security of farm women. The workshop was followed by demonstration of paddy straw mushroom cultivation and distribution of improved varieties of vegetable seeds and mushroom spawn, improved sickle, pesticides, fungicides, mineral mixture etc. among farm women. The programme was covered by the Doordarshan, DD-Krishi Darshan for wide publicity.

Table 1. Webinars/ Workshops organised

S. No.	Name of the programme	Date	Organizing team
1	National Webinar on Farmers Producer Organization in Livelihood enhancement of Farm women organized by ICAR-CIWA (Virtual)	19 November 2020	Sabita Mishra Anil Kumar L. P. Sahoo Ananta Sarkar
2	HRD Webinar on "Effective Health Management for Enhancing Work Efficiency of Employees" organized by ICAR-CIWA (Virtual)	20 November 2020	J. C. Jeeva Ananta Sarkar Tanuja S.
3	Invited online lecture on "KYC-Know Your Constitution: Rights and Duties" by Adv. Archana Mishra, State Defence Counsel, Bhubaneswar organized by ICAR-CIWA (Virtual)	26 November 2020	Tanuja S.
4	Expert Talk on Vigilance Awareness Week-2020 by Mr. I. B. Kumar, SAO, ICAR-CIFA (Virtual)	29 November 2020	Sabita Mishra
5	National Webinar on "Evolving Livelihoods for Women in Post-Harvest Fisheries: Approaches, Policies and Institutional Support" on 14.12.2020 organized by ICAR-CIWA (Virtual)	14 December 2020	Tanuja S. J. C. Jeeva Lipi Das

पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला ओडिशा के कटक जिले के निश्चिंताकोइली ब्लॉक के सांकिलो गांव में आयोजित हुई थी। इस कार्यशाला में 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया था जिनमें भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए के वैज्ञानिक, खेतिहर महिलाएं, दूरदर्शन, डीडी किसान दर्शन जैसे मासमीडिया के प्रतिनिधि, सेवानिवृत्त जिला कृषि अधिकारी, निगम के सचिव तथा स्वयं सेवी संगठन के प्रतिनिधि शामिल थे। आरंभ में डॉ. लिपि दास, प्रधान वैज्ञानिक एवं परियोजना अन्वेषक ने खेतिहर महिलाओं की आजीविका, पोषण तथा उद्यमशीलता से जुड़ी समस्याओं से निपटने के लिए लिंग संवेदी फार्मिंग प्रणाली मॉडल में चावल की खेती, चावल से मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार करने तथा खुम्बी की खेती के महत्व के बारे में संक्षेप में बताया। डॉ. एस.के. मिश्रा, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प.-एनआरआरआई, कटक ने चावल की खेती की उन्नत सस्यविज्ञानी विधियों के पैकेज, जलवायु स्मार्ट किस्मों की खेती तथा चावल की प्रोटीन से समृद्ध किस्मों के बारे मे बताया। डॉ. पी. जाखड़, वरिष्ठ वैज्ञानिक, ने चावल की खेती की उन्नत विधियों के पैकेज पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही डॉ. अंकिता साहू, वैज्ञानिक ने सब्जियों की खेती की उन्नत सस्यविज्ञानी विधियों के पैकेज पर चर्चा की। डॉ. विश्वनाथ साहू, प्रधान वैज्ञानिक ने डेरी पालन के माध्यम से महिला किसानों की आजीविका सुरक्षा तथा आर्थिक सशक्तिकरण के संबंध में विस्तार से चर्चा की। श्री सुरेश चन्द जेना, सेवानिवृत्त जिला कृषि अधिकारी ने खेतिहर महिलाओं की आजीविका सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के संबंध में जानकारी प्रदान की। इस कार्यशाला के पश्चात् धान के पुआल पर खुम्बी की खेती से संबंधित प्रदर्शन किया गया तथा सब्जियों के बीच व खुम्बी बीज, उन्नत हंसिये, पीड़कनाशी, कवकनाशी, खनिज मिश्रण आदि खेतिहर महिलाओं के बीच बांटे गए। व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए यह कार्यक्रम दूरदर्शन, डीडी-कृषि दर्शन द्वारा प्रसारित किया गया।

तालिका 1. आयोजित वेबिनार/कार्यशाला

क्र. स.	कायक्रम का नाम	तिथि	सयोजक दल
1	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए द्वारा आयोजित 'खेतिहर महिलाओं की आजीविका वृद्धि कृषि उत्पादन संगठन की भूमिका' पर राष्ट्रीय वेबिनार (वर्चुअल))	19 नवम्बर 2020	सबिता मिश्रा अनिल कुमार एल.पी. साहू अनन्त सरकार
2	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए 'कर्मचारियों की कार्यदक्षता बढ़ाने के लिए प्रभावी स्वास्थ्य प्रबंधन' पर एचआरडी वेबिनार (वर्चुअल)	20 नवम्बर 2020	जे.सी. जीवा अनन्त सरकार तनुजा एस.
3	श्री आई.बी. कुमार, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, भा.कृ.अ.प.-सीआईएफए द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2020 के अवसर पर विशेषज्ञ वार्ता (वर्चुअल)	26 नवम्बर 2020	तनुजा एस.
4	श्री आई.बी. कुमार, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, भा.कृ.अ.प.-सीआईएफए द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2020 के अवसर पर विशेषज्ञ वार्ता (वर्चुअल)	29 नवम्बर 2020	सबिता मिश्रा
5	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए द्वारा 'सस्योत्तर मात्स्यकी: दृष्टिकोण,नीतियां एवं संस्थागत सहायता के संदर्भ में महिलाओं के लिए आजीविका के अवसर खोजना' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार (वर्चुअल)	14 दिसम्बर 2020	तनुजा एस. जे. सी. जीवा लिपि दास

S. No.	Name of the programme	Date	Organizing team
6	Online expert talk on "Effective health management during COVID 19 through clean and green Environment" (Virtual)	18 December 2020	Lipi Das Tanuja S.
7	Expert talk on Agriculture Technologies for Convergence of waste to wealth and safe disposal of all kinds of waste - Dr. A. K. Rajput, Director, RC of Organic farming, Bhubaneswar (Virtual)	22 December 2020	A. K. Panda B. Sahoo Tania Seth C. S. Mhatre
8	Expert talk on Importance of cleanliness and sanitation in human life- Sh. K. M. Behera, Health Deptt., Govt. of Odisha	24 December 2020	Sabita Mishra L. P. Sahoo Neetish Kumar
9	Expert talk on Importance of cleanliness drive in Institutes – Sh. Ananat Narayan Jena, Ex-Mayor, BMC, Bhubaneswar	30 December 2020	B. Sahoo P. Jakhar
10	International Webinar on "FPO: A Collective Approach in Agriculture Production System for Economic Empowerment" jointly organized by ICAR-CIWA and AICRP Centre, CAU, Tura (Virtual)	20 January 2021	Lipi Das
11	International Webinar on "Nutri-Sensitive Agriculture: An Approach for Food and Nutrition Security" jointly organized by ICAR-CIWA and AICRP Centre, UAS, Bangalore (Virtual)	9 March 2021	Lipi Das
12	National Webinar on "Partnering Women in Value Chain Development: A Promising Way for Creating Sustained Livelihood and Agripreneurship" organized by ICAR-CIWA (Virtual)	17 March 2021	B. Sahoo A. K. Panda Lipi Das Neetish Kumar
13	National Webinar on "Nutritional Security: Challenges and Opportunities on Gender Sensitive Agriculture" organized by ICAR-CIWA (Virtual)	25 march 2021	Tania Seth Lipi Das Jyoti Nayak S. Swain

Table 2. Radio/ TV talks delivered

S. No.	Title/ Theme	Radio/ TV talks	Date	Delivered by
1.	Mahila Mananka Krushire Samshya (Issues of Women in Agriculture) phone-in live programme	Krushi Darshan DDK, Bhubaneswar	13 October 2020	Sabita Mishra
2	SHG Gathan O' Parichalana (SHG Formation and Management)	Krushi Darshan DDK, Bhubaneswar	14 October 2020	Sabita Mishra
3	Government's Programmes and Monetary Incentives for Social and Economic Development for Farm women	AIR, Puri	23 December 2020	Lipi Das

क्र. स.	कायक्रम का नाम	तिथि	सयोजक दल
6	'स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के माध्यम से कोविड 19 के दौरान प्रभावी स्वास्थ्य प्रबंधन' विषय पर ऑन लाइन विशेषज्ञ वार्ता (वर्चुअल)	18 दिसम्बर 2020	लिपि दास तनुजा एस.
7	डॉ. ए.के. राजपूत, निदेशक, जैविक खेती के क्षेत्रीय केन्द्र, भुवनेश्वर द्वारा 'कचरे को सम्पदा में परिवर्तित करने तथा सही प्रकार के कचरे के सुरक्षित निपटान के लिए कृषि प्रौद्योगिकियां' विषय पर विशेषज्ञ वार्ता (वर्चुअल)	22 दिसम्बर 2020	ए.के. पाण्डा बी. साहू तानिया सेठ सी.एस. म्हात्रे
8	श्री के.एम. बेहरा, स्वास्थ्य विभाग, ओडिशा सरकार द्वारा 'मानव जीवन में स्वच्छता एवं सफाई का महत्व' विषय पर विशेषज्ञ वार्ता	24 दिसम्बर 2020	सबिता मिश्रा एल.पी. साहू नीतिश कुमार
9	'स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के माध्यम से कोविड 19 के दौरान प्रभावी स्वास्थ्य प्रबंधन' विषय पर ऑन लाइन विशेषज्ञ वार्ता (वर्चुअल)	30 दिसम्बर 2020	बी. साहू प्रवीण जाखड़
10	'भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए और एआईसीआरपी केन्द्र, सीएयू, तुरा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'एफपीओ: अर्थिक सशक्तिकरण के लिए कृषि उत्पादन प्रणाली में एक सामूहिक प्रयास' पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार (वर्चुअल)	20 जनवरी 2021	लिपि दास
11	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए और एआईसीआरपी केन्द्र, यूएस, बंगलुरू द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'पोषण संवेदी कृषि: खाद्य एवं पोषणिक सुरक्षा के लिए एक दृष्टिकोण' विषय पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार (वर्चुअल))	9 मार्च 2021	लिपि दास
12	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए द्वारा 'मूल्य श्रृंखला विकास में महिलाओं की भूमिका: टिकाऊ आजीविका एवं कृषि उद्यमशीलता सृजन का एक आशाजनक उपाय' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार (वर्चुअल)	17 मार्च 2021	बी. साहू ए.के. पाण्डा लिपि दास नीतीश कुमार
13	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए द्वारा आयोजित 'पोषणिक सुरक्षा: लिंग संवेदी कृषि में चुनौतियां एवं अवसर' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार (वर्चुअल	25 मार्च 2021	तानिया सेठ लिपि दास ज्योति नायक एस. स्वैन

तालिका 2. प्रसारित रेडिया/टीवी वार्ताएं

क्र.स.	शीषक/विषय	रडियो/टीवी वाताए	तिथि	वाताकार
1.	महिला माननका क्रुशिरे सामस्या (कृषिरत महिलाओं के मुद्दे) फोन-इन सजीव कार्यक्रम	कृषि दर्शन, दूरदर्शन केन्द्र, भुवनेश्वर	13 अक्टूबर 2020	सबिता मिश्रा
2	एसएचजी गथान ओ' परिचालन (एसएचजी निर्माण एवं प्रबंधन)	कृषि दर्शन, दूरदर्शन केन्द्र, भुवनेश्वर	14 अक्टूबर 2020	सबिता मिश्रा
3	खेतिहर महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए सरकारी कार्यक्रम एवं धन संबधी प्रोत्साहन	आकाशवाणी, पौड़ी	23 दिसम्बर 2020	लिपि दास

Table 3. Conference/ Seminar/ Symposium/ Workshop/ Training/ Meeting/ Attended

S. No.	Programme	Venue/ Organized by	Date	Attended by
1	International Webinar on "Harnessing the potential of tropical tuber crops under changing climate (HPTTC - 2020)" (Virtual)	ICAR-CTCRI, Kerala	27 October, 2020	Tania Seth Praveen Jakhar S. Swain
2	Third party Evaluation of ICAR	Virtual	13 November 2020	Lipi Das
3	Webinar on 'Farmers Producer Organization in Livelihood Enhancement of Farm Women' (Virtual)	ICAR-CIWA	18 November 2020	All Scientists and Technical Staff
4	AICRP High Level Committee Meeting	Virtual	25 November 2020 and 19 December 2020	Lipi Das Ananta Sarkar C. S. Mhatre
5	1st Indian Rice Congress	ICAR-NRRI, Cuttack	8-9 December 2020	Lipi Das
6	National Webinar on "Evolving livelihoods for women in post harvest fisheries: approaches, policies and institutional support"	ICAR-CIWA, Bhubaneswar	14 December 2020	All Scientists and Technical Staff
7	ZTMC meeting of ITMU	Virtual	28 January 2021	Lipi Das
8	National Webinar on "Alleviating malnutrition and promoting gender equity through rural poultry production in India" (Virtual)	ICAR-CIWA, Bhubaneswar	3 February 2021	All Scientists and Technical Staff
9	Scientific Advisory Committee Meeting of KVK, Sambalpur	KVK, Sambalpur	19 February 2021	Lipi Das
10	International Symposium (ISCA - Webinar) on "Coastal Agriculture: Transforming Coastal Zone for Sustainable Food and Income Security"	ICAR-Central Soil Salinity Research Institute, Regional station -Kolkata	16th – 19th March, 2021	Praveen Jakhar S. Swain
11	National Webinar on "Partnering women in value chain development: a promising way for creating sustained livelihood and agripreneurship" (Virtual)	ICAR-CIWA, Bhubaneswar	17 March 2021	All Scientists and Technical Staff
12	NASF-Advisory Committee Meeting	Virtual	18 March 2021	Lipi Das

तालिका 3. सम्मेलन/ सेमिनार/ सिम्पोजियम/ कार्यशाला/ प्रशिक्षण/ बैठकें

क्र.स.	कायक्रम	स्थान/ आयोजक	तिथि	प्रतिभागी
1	'परिवर्तनशील जलवायु के अंतर्गत उष्णकटिबंधीय कंद फसलों की क्षमता का लाभ उठाना (एचपीटीटीसी-2020)' पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार (वर्चुअल)	भा.कृ.अ.प.-सीटीसीआईआई, भुवनेश्वर	27 अक्टूबर, 2020	तानिया सेठ प्रवीण जाखड़ एस. स्वैन
2	भा.कृ.अ.प. का तृतीय पक्ष मूल्यांकन	वर्चुटल	13 नवम्बर 2020	लिपि दास
3	'खेतिहर महिलाओं की आजीविका में वृद्धि के लिए कृषक उत्पादक संगठन' पर वेबिनार (वर्चुअल)	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए	18 नवम्बर 2020	सभी वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्टाफ
4	एआईसीआरपी की उच्च स्तरीय समिति की बैठक	वर्चुअल	25 नवम्बर 2020 और 19 दिसम्बर 2020	लिपि दास अनन्त सरकार सी.एस. म्हात्रे
5	प्रथम भारतीय चावल कांग्रेस	भा.कृ.अ.प.-एनआरआरआई, कटक	8-9 दिसम्बर 2020	लिपि दास
6	'सस्योत्तर मात्स्यकी में महिलाओं के लिए आजीविका का विकास' पर राष्ट्रीय वेबिनार	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर	14 दिसम्बर 2020	सभी वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्टाफ
7	आईटीएमयू की जेडटीएमसी बैठक	वर्चुअल	28 जनवरी 2021	लिपि दास
8	'भारत में ग्रामीण कुक्कुट उत्पादन के माध्यम से कुपोषण को मिटाना एवं लिंग समानता को बढ़ावा देना' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार (वर्चुअल)	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर	3 फरवरी 2021	सभी वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्टाफ
9	कृषि विज्ञान केन्द्र, संबलपुर की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक	कृषि विज्ञान केन्द्र, संबलपुर	19 फरवरी 2021	लिपि दास
10	तटीय कृषि: सतत खाद्य और आय सुरक्षा के लिए तटीय क्षेत्र का परिवर्तन" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (ISCA - वेबिनार)	भाकृअनुप-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय स्टेशन-कोलकाता	16 से 19 मार्च 2021	प्रवीण जाखड़ एस. स्वैन
11	मूल्य श्रृंखला विकास में महिलाओं की भूमिका: टिकाऊ आजीविका एवं कृषि उद्यमशीलता के सृजन का एक आशाजनक उपाय' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार (वर्चुअल)	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर	17 मार्च 2021	सभी वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्टाफ
12	एनएएसएफ-सलाहकार समिति की बैठक	वर्चुअल	18 मार्च 2021	लिपि दास

SCHEDULED CASTES SUB-PLAN (SCSP)

Technologies popularisation and outreach through SCSP

The SCSP (Scheduled Caste Sub Plan) has been started by the Government of India to benefit the farmers of Scheduled Caste (SC) communities of the country. Under the SCSP, ICAR-CIWA focuses on SC farmwomen for technology dissemination, capacity building, input support and entrepreneurship approach for the socio-economic empowerment of women in agriculture. Different teams comprising of scientific and technical staff adopted 3-4 villages and with regular interaction with farm women came out with technological interventions which are problem solving in nature. A direct interface with the women farmers was promoted to provide first-hand information and solutions for developing awareness on climate change, customized services, protective measures, FPOs, SHGs, etc. along with increasing adoption rate of newer technologies by the farming communities. Various interfaces and skill upgradation programmes related to agriculture and allied sectors were carried out to solve the problems faced by the farmwomen and also to equip them with the latest women friendly technologies. The activities viz. capacity building on household poultry, fish processing, beekeeping, food processing and best management practices, skill upgradation programmes on improved methods of vegetable cultivation, drudgery reducing farm tools and nutri-gardens were undertaken. With the vision of doubling the income of farm families, the farmwomen were sensitized on some of the horticultural interventions like round the year vegetable cultivation, scientific management of vegetable crops and off-season vegetable production. During the last six months 12 nos of training programmes were conducted on and off campus in which 450 SC women are equipped with need based technologies. Approximately an area of 300 acres (125 ha.) is brought under technologies popularization programme.

Dr. J. C. Jeeva and Dr. Praveen Jakhar are coordinating the SCSP as Nodal Officers.

Table 1. Details of technologies popularisation programmes under (SCSP) in different villages

S. No.	Name of the programme	Date	Village details	Women beneficiaries	Coordinators
1.	Demonstration and Distribution of farm tools as part of the 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi at ICAR-CIWA, Bhubaneswar	2 October 2020	Different villages Satyabadi, Puri	55	J. C. Jeeva Ananta Sarkar S. K. Das

अनसचित जाति उप परियोजना (एससीएसपी)

एससीएसपी के माध्यम से प्रौद्योगिकियों का लोकप्रियकरण और उन्हें सुदूर क्षेत्रों में पहुंचाना-

एससीएसपी (अनुसूचित जाति उप परियोजना) देश में अनुसूचित जाति (एससी) समुदायों के किसानों के लाभ के लिए शुरू की गई भारत सरकार की एक योजना है। इस योजना के अंतर्गत भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए कृषिरत महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रौद्योगिकियों के प्रचार-प्रसार, क्षमता निर्माण, निवेश सहायता तथा उद्यमशीलता के विकास के लिए अनुसूचित जाति की खेतिहर महिलाओं पर ध्यान देता है। वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्टाफ के विभिन्न दलों ने इस दृष्टि से 3-4 गांवों को अपनाया हुआ है, जहां ये दल खेतिहर महिलाओं की समस्याओं को हल करने के लिए प्रौद्योगिकी उपायो को खोजकर लागू करते हैं। प्रथम स्तर की सूचना प्राप्त करने, जलवायु परिवर्तन पर जागरूकता विकसित करने से संबंधित हल खोजने, विशिष्ट सेवाएं प्रदान करने, समस्याओं को हल करने हेतु उपाय सुझाने, एफपीओ, एसएचजी आदि पर जानकारी उपलब्ध कराने के लिए खेतिहर महिलाओं के साथ ये दल प्रत्यक्ष सम्पर्क स्थापित करते हैं और उनसे चर्चा करके समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करते हैं। साथ ही वे खेतिहर समुदायों द्वारा नई विकसित प्रौद्योगिकियां कितनी अपनाई जा रही हैं, इसका भी मूल्यांकन करते हैं। खेतिहर महिलाओं के समक्ष आने वाली समस्याओ को हल करने के लिए तथा इस जाति की महिलाओं को महिलाओं के लिए अनुकूल नवीनतम प्रौद्योगिकियों की जानकारी देने के लिए विभिन्न परिचर्चाएं आयोजित की जाती हैं तथा कौशल उन्नयन के कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इस योजना के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां चलाई गईं जैसे घरेलू कुक्कुट पालन, मत्स्य प्रसंस्करण, खाद्य प्रसंस्करण तथा सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन विधियों, सब्जियों की खेती की उन्नत विधियों पर कौशल उन्नयन कार्यक्रम, श्रम कम करने के लिए खेती संबंधी औजार एवं पोषणिक उद्यानों की स्थापना आदि। कृषक परिवारों की आय दुगुनी करने की दृष्टि से खेतिहर महिलाओं को वर्षभर सब्जियों की खेती, सब्जी फसलों के वैज्ञानिक प्रबंधन तथा बेमौसमी सब्जियों के उत्पादन जैसे बागवानी संबंधी उपायों को अपनाने के प्रति प्रेरित किया गया। पिछल छह माह के दौरान परिसर में और परिसर से इतर 12 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनके द्वारा अनुसूचित जाति की 450 महिलाओं को उनके द्वारा वांछित प्रौद्योगिकियों से सम्पन्न किया गया। ये प्रौद्योगिकियां लगभग 300 एकड़ (125 हेकटेयर) क्षेत्रफल में चलाई गईं तथा इस कार्यक्रम के अंतर्गत इन्हें लोकप्रिय भी बनाया गया।

डॉ. जे.सी. जीवा और डॉ. प्रवीण जाखड़, नोडल अधिकारियों के रूप में एससीएसपी का समन्वयन कर रहे हैं।

तालिका 4. विभिन्न गांवों में एससीएसपी के अंतर्गत चलाए गए प्रौद्योगिकी लोकप्रियकरण कार्यक्रमों का विवरण

क्र. स.	कायक्रम का नाम	तिथि	ग्राम का विवरण	लाभार्थी महिलाए	समन्वयक
1.	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अंग के रूप में खेती संबंधी औजारों का प्रदर्शन तथा वितरण	2 अक्टूबर 2020	सत्यवादी, पुरी के विभिन्न गांव	55	जे.सी. जीवा अनन्त सरकार एस.के. दास

S. No.	Name of the programme	Date	Village details	Women beneficiaries	Coordinators
2.	Demonstration and Distribution of inputs for women involved in fish processing at ICAR-CIWA, Bhubaneswar	8 October 2020	Kanamana, Astaranga, Puri	21	J. C. Jeeva Tanuja, S.
3.	Demonstration and distribution of farm tools and sprayers at ICAR-CIWA, Bhubaneswar	21 October 2020	Barala, Chaudapatia, Harishankarpur and Beherasahi, Puri	25	Jyoti Nayak Praveen Jakhar Geeta Saha
4.	Demonstration and Distribution of minor farm tools and sprayers at ICAR-CIWA, Bhubaneswar	3 November 2020	Resida, Balipada, Naruda, Balanga and Nuasahi, Puri	119	J. C. Jeeva S. K. Das
5.	Demonstration and Distribution of poultry chicks, feeder & waterer at ICAR-CIWA, Bhubaneswar	10 November 2020	Nuasahi, Puri	10	A.K. Panda J. C. Jeeva S. K. Das
6.	Demonstration and Distribution of poultry chicks, coconut tree climber, coconut dehusker and hand tools like khurpi, trowel, garden hoe, trench hoe, secateurs and cultivator at ICAR-CIWA, Bhubaneswar	24 November 2020	Talapataka, Denua, Badala Sasan, Dihabari, Bhatabandha, Chhatahar and Hansapada, Nimapada, Puri	95	A.K. Panda C. S. Mhatre P. K. Rout
7.	Demonstration and Distribution of inputs- plastic crates and rose cans at ICAR-CIWA, Bhubaneswar	18 December 2020.	Harishankarpur, Baralaand, Kadampada, Satyabadi, Puri	20	Tanuja, S. Jyoti Nayak Geeta Saha
8.	Demonstration and Distribution of inputs- Manual sprayer, seedsat ICAR-CIWA, Bhubaneswar	08 February 2021	Ganeswarpur, Gop, Nimapara, Puri	25	Sabita Mishra J. C. Jeeva
9.	Demonstration, Skill Upgradation and Distribution of inputs- Chicks, feeder, drinker at ICAR-CIWA, Bhubaneswar	10 February 2021	Chitra, Sagada, Nimapara, Puri	20	A. K. Panda C. S. Mhatre P. K. Rout
10.	Demonstration and Distribution of inputs- Chicks, feeder, drinker at ICAR-CIWA, Bhubaneswar	19 February 2021	Alipingal, Chennua, Nimapara, Puri	15	A. K. Panda C. S. Mhatre P. K. Rout

क्र. स.	कायक्रम का नाम	तिथि	ग्राम का विवरण	लाभार्थी महिलाए	समन्वयक
2.	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर में मछली प्रसंस्करण में शामिल महिलाओं के लिए निवेशों का प्रदर्शन एवं वितरण	8 अक्टूबर 2020	कानामना, अस्टरंगा, पुरी	21	जे.सी.जीवा तनुजा एस.
3.	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर में खेती से संबंधित औजारों व सरकारी यंत्रों का प्रदर्शन एवं वितरण	21 अक्टूबर 2020	बराला, चौदापटिया, हरिशंकरपुर और बेहरासाही, पुरी	25	ज्योति नायक प्रवीण जाखड़ गीता साह
4.	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर में छोटे कृषि औजारों तथा छिड़काव यंत्रों का प्रदर्शन एवं वितरण	3 नवम्बर 2020	रसिदा, बालीपाडा, नरूदा, बालंगा और नौसाही, पुरी	119	जे.सी. जीवा एस.के. दास
5.	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर में कुक्कुट चूजों, उनके आहार और जल उपलब्ध कराने वाली युक्तियों का प्रदर्शन और वितरण	10 नवम्बर 2020	नौसाही, पुरी	10	ए.के. पांडा जे.सी. जीवा एस.के. दास
6.	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर में कुक्कुट चूजों, नारियल के वृक्ष पर चढ़ने की युक्तियां, खुर्पी, कन्नी, उद्यानों की निराई-गुड़ाई युक्ति, खाई खोदने के लिए कुदाल, फावड़े और हलों जैसे दस्ती औजारों तथा नारियल की जटाएं छीलने की युक्ति का प्रदर्शन एवं वितरण	24 नवम्बर 2020	तालापटाका, देनुआ, बदाला सासन, दिहाबारी, भटाबंधा, छताहर और हासनपडा, निम्पाडा, पुरी	95	ए.के. पांडा सी.एस. म्हात्रे पी.के. राउत
7.	भुवनेश्वर में प्लास्टिक क्रेट और गुलाब के पौधों को सींचने के लिए बाल्टियों या फुहारों जैसे निवेशों का वितरण	18 दिसम्बर 2020.	हरिशंकरपुर, बरालांद, कदमपाडा, सत्याबादी, पुरी	20	तनुजा एस. ज्योति नायक गीता साह
8.	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर में दस्ती छिड़काव यंत्रों, बीज बुआई यंत्रों जैसे निवेशों का प्रदर्शन एवं वितरण	08 फरवरी 2021	गणेशवरपुर, गोप, निम्पाड़ा, पुरी	25	सबिता मिश्रा जे.सी. जीवा
9.	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर में चूजों, कुक्कुट आहारों, पक्षियों को जल पिलाने वाली युक्तियों जैसे निवेशों का वितरण तथा प्रदर्शन एवं कौशल उन्नयन	10 फरवरी 2021	चित्रा, सगाडा, निम्पाड़ा, पुरी	20	ए.के. पांडा सी.एस. म्हात्रे पी.के. राउत
10.	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर में चूजों, कुक्कुट आहार, उन्हें जल उपलब्ध कराने वाली युक्तियों जैसे निवेशों का प्रदर्शन एवं वितरण	19 फरवरी 2021	अलिपिंगल, चेन्नुना, निम्पाड़ा, पुरी	15	ए.के. पांडा सी.एस. म्हात्रे पी.के. राउत
11.	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर में चूजों, कुक्कुट आहार, उन्हें जल उपलब्ध कराने वाली युक्तियों जैसे निवेशों का प्रदर्शन एवं वितरण	10 मार्च 2021	रेसिंगा, बदमछापुर, निम्पाड़ा, पुरी	15	ए.के. पांडा सी.एस. म्हात्रे पी.के. राउत

S. No.	Name of the programme	Date	Village details	Women beneficiaries	Coordinators
11.	Demonstration and Distribution of inputs- Chicks, feeder, drinker at ICAR-CIWA, Bhubaneswar	10 March 2021	Resinga, Badamachhapur, Nimapara, Puri	15	A. K. Panda C. S. Mhatre P. K. Rout
12.	Demonstration and Distribution of inputs - Chicks, feeder, drinker at ICAR-CIWA, Bhubaneswar	22 March 2021	Nuagaon, Jayapur, Sakhigopal, Puri	29	A. K. Panda C. S. Mhatre P. K. Rout

क्र. स.	कायक्रम का नाम	तिथि	ग्राम का विवरण	लाभार्थी महिलाए	समन्वयक
12.	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर में चूजों, कुक्कुट आहार, उन्हें जल उपलब्ध कराने वाली युक्तियों जैसे निवेशों का प्रदर्शन एवं वितरण	22 मार्च 2021	नौगांव, जयापुर, सखीगोपाल, पुरी	29	ए.के. पांडा सी.एस. म्हात्रे पी.के. राउत

Glimpses of SCSP Programmes- capacity building and input support

AWARDS AND RECOGNITIONS

Lipi Das

- Best Presentation Award on "Enhancing crop productivity and farmers' profit in rice-based production system: A successful case study of FFP" during the 1st Indian Rice Congress-2020 organized by Association of Rice Research Workers from 8-9 December, 2020 as a co-author.
- Convener, Broad Subject Matter Area (BSMA) for Social Science (Agril Extension, Economics and Agri-Business Management), ICAR, New Delhi.
- Expert Member, Steering Committee on Biotechnology based Programme for Societal Development, DBT, Govt. of India, New Delhi.
- Reviewer, ORYZA, Association of Rice Research Workers, Cuttack.

परस्कार एव सम्मान

लिपि दास

- दिनांक 8-9 दिसम्बर 2020 को एसोसिएशन ऑफ राईस रिसर्च वर्कर्स द्वारा आयोजित प्रथम भारतीय चावल कांग्रेस-2020 के दौरान ''चावल आधारित उत्पादन प्रणाली में फसल उत्पादकता और किसानों के लाभ को बढ़ाना: एफएफपी का एक सफल मामला अध्ययन' शीर्षक के शोध-पत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतीकरण के लिए सह-लेखक के रूप में पुरस्कृत।
- संयोजक, सामाजिक विज्ञान (कृषि विस्तार, अर्थशास्त्र एवं कृषि व्यापार प्रबंधन), भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली के लिए संयोजक, व्यापक विषय-वस्तु क्षेत्र (बीएसएमए) का सम्मान।
- विशेषज्ञ सदस्य, समाज के विकास हेतु कार्यक्रम पर आधारित जैवप्रौद्योगिकी की स्थायी समिति, जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- समीक्षक, ओआरवाईजेडए, एसोसिएशन ऑफ राइस रिसर्च वर्कर्स, कटक

- Received Best Externally Aided Project Award on "Increasing productivity and sustaining the rice-based production system through FFP approach" as a Co-PI during the Platinum Jubilee Foundation Day Celebration of ICAR-NRRI, Cuttack.
- External Examiner for Ph.D. thesis evaluation of Agriculture Extension of SKRAU, Bikaner.
- Developed one rice variety, namely, CR Dhan 407 (Mahamani)) as an associated scientist under the Principal Breeder Dr. S. K. Pradhan of ICAR-NRRI, Cuttack which was released and/or notified by SVRC, Odisha.

Tanuja S

- Young Scientist Award by Vigyan Varta.
- Reviewer in Indian Journal of Fisheries, Fishery Technology and Waste and Biomass Valorization
- Invited as key speaker on "Fisheries technologies for livelihood and nutrition" organized by Dept of Zoology, School of Applied Sciences, CUTM, Odisha

Tania Seth

- Innovative Article Award for popular article entitled "Kharif potato: an off-season enterprise for farm women in southern Odisha" published in *Agriculture & Food: e-Newsletter.*

Editors : Dr. Ananta Sarkar
Dr. Tanuja S.
Mr. Neetish Kumar

Published by : Dr. Anil Kumar
Director
ICAR- Central Institute for Women in Agriculture

Bhubaneswar, Odisha- 751 003 (India)
Phone No.: (0674)-2387220,
2387940, 2387241
Fax No.: (0674) 2387242
E-mail: director.ciwa@icar.gov.in
Website: http://www.icar-ciwa.org.in

- भा.कृ.अ.प.-एनआरआरआई, कटक के प्लेटीनम जयंती स्थापना दिवस समारोह के दौरान सह-प्रधान अन्वेषक के रूप में प्रस्तुत 'एफएसपी उपाय के माध्यम से चावल आधारित उत्पादन प्रणाली की उत्पादकता और टिकाऊपन को बढ़ाने' विषय पर प्रस्तुत शोध-पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ बाह्य निधि सहायता प्राप्त परियोजना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- एसकेआरएयू, बीकानेर की कृषि विस्तार विषय के पीएच.डी. शोध प्रबंध के मूल्यांकन हेतु बाह्य परीक्षक
- भा.कृ.अ.प.-एनआरआरआई, कटक के प्रधान प्रजनक, डॉ. एस.के. प्रधान के अंतर्गत एसोसिएट वैज्ञानिक के रूप में चावल की एक किस्म नामत: सीआर धान 407 (महामणि) का विकास किया जिसे एसवीआरसी, ओडिशा द्वारा विमोचित और/अथवा अधिसूचित किया गया।

तनुजा एस.

- विज्ञान वार्ता द्वारा प्रगत युवा वैज्ञानिक पुरस्कार
- इंडियन जर्नल ऑफ फिशरीज़, फिशरीज टेक्नोलॉजी और बेस्ड एंड बायोमास बायोमास बेलोराइजेशन में समीक्षक
- प्राणिविज्ञान विभाग, व्यावहारिक विज्ञान विद्यालय, सीयूटीएम, ओडिशा द्वारा 'आजीविका एवं पोषण के लिए मात्स्यिकी प्रौद्योगिकियां' सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

तानिया सेठ

- *एग्रीकल्चरल एंड फूड: ई-न्यूजलैटर* में प्रकाशित 'खरीफ पोटेटा: एन ऑफ सीज़न एंटरप्राइज फॉर फार्म वीमेन इन सदर्न ओडिशा' शीर्षक के लोकप्रिय लेख के लिए '**नवोन्मेषी लेख पुरस्कार**'

संपादक : डॉ. अनन्त सरकार
डॉ. तनुजा एस.
श्री नीतीश कुमार

प्रकाशक : डॉ. अनिल कुमार
निदेशक

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान
भुवनेश्वर, ओडिशा- 751 003 (भारत)
दूरभाष.: (0674)-2387220,
2387940, 2387241
फैक्स : (0674) 2387242
ई-मेल: director.ciwa@icar.gov.in
वेबसाइट: http://www.icar-ciwa.org.in